MUMBAI TARANG

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

ज़िन्दगी में
टेंशन ही टेंशन है फिर भी
इन लबों पर मुस्कान है.
क्योंकि जब जीना हर हाल में है
तो मुस्कुरा के जीने में
क्या नुक्सान है !!

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
8401376537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

www.mumbaitarang.com

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-49 ❖ मुंबई ❖ रविवार 28 नवंबर से 04 दिसंबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

शक्ति मिल केस का कसाब केस से क्या कनेक्शन! सेक्स वर्कर की टिप से पकड़े गए थे आरोपी

पेज 5

बीटूबी एग्जीबिशन 27 से 29 तक:हीरा जड़ित छाता प्रदर्शित होगा, 8 हजार एग्जीबिटर्स आएंगे, कपड़ा और रेलवे राज्यमंत्री दर्शना जरदोश करेंगी उद्घाटन

पेज 7

फिल्म स्टार और राकांपा महासचिव सुदीप पांडे से रंगदारी वसूलने के मामले में नवी मुंबई हाउसिंग सोसाइटी के अध्यक्ष व प्रबंधक पर एफआईआर

पेज 8

उगाही केस-ठाणे पुलिस के सामने पेश हुए परमबीर सिंह, डीसीपी की निगरानी में हो रही जांच

उपचुनावों में मुंह की खाई, तब जनता की सुध आई! आगामी चुनावों की तैयारी में भाजपा

मुंबई, केंद्र सरकार की नीतियों की वजह से देश में बेतहाशा बढ़ी महंगाई और तीन नए कृषि कानून भाजपा को भारी पड़ गए। देश के कई राज्यों में हाल ही में संपन्न हुए उपचुनावों में पार्टी को जनता ने सिरे से नकार दिया, जिससे मुंह की खानी पड़ी। इसके अलावा आगामी कुछ महीनों में कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होनेवाले हैं। इसको मद्देनजर रखते हुए केंद्र की मोदी सरकार को जनता की सुध आई है और उसे लुभाने के लिए नए-नए हथकंडे अपनाने शुरू कर दिए हैं। मोदी सरकार धीरे-धीरे, एक-एक योजना के तहत जनता को भटकाने का काम कर रही है। केंद्र सरकार ने पहले पेट्रोल-डीजल की एक्साइज ड्यूटी कम किया, फिर कृषि कानून को वापस लेने का निर्णय लिया। हाल ही में केंद्र सरकार ने अपने आपात समय के लिए रिजर्व रखे गए लाखों बैरल कच्चे तेल को बाजार में बेचने का निर्णय लिया है। इसके अलावा रसोई में प्रयोग होने वाले सिलिंडर की कीमत को बढ़ाकर लोगों को जलाया। अब सब्सिडी देने का निर्णय लेकर उस पर मरहम लगाने का प्रयास की है। साथ ही केंद्र ने अगले साल मार्च तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएम-जीकेएवाई) के विस्तार को मंजूरी दे दी है, अर्थात सरकार ने गरीबों को मुफ्त खाद्यान्न देने का निर्णय लिया है।

केंद्र की मोदी सरकार पिछले उपचुनावों में मिली हार को पचा नहीं पाई है और अब आगामी चुनावों में मिलने वाली हार से डरकर ताबड़तोड़ निर्णय लेने शुरू कर दिए

हैं। दिवाली के समय पेट्रोल-डीजल की एक्साइज डयूटी कम किया, भले ही आम जनता को उससे कोई फायदा नहीं हुआ।

इसके बाद केंद्र सरकार कृषि कानून को लेकर बैकफुट पर आ गई और माफी मांगते हुए वापस ले लिया। अब केंद्र सरकार ने गैस सिलिंडरों पर मिलने वाली सब्सिडी जो मिलनी बंद हो गई थी, उसे फिर से शुरू कर दिया है। हालांकि इसमें भी झोल हो रहे हैं।

सब्सिडी को लेकर असमंजस

केंद्र सरकार द्वारा निर्णय के बाद ग्राहकों को सब्सिडी आनी तो शुरू हो गई लेकिन जनता असमंजस में है। गैस उपभोक्ताओं को ७९.२६ रुपए प्रति सिलिंडर सब्सिडी के रूप में दिया जा रहा है। अब लोगों से शिकायत आ रही है कि ग्राहकों को अलग-अलग सब्सिडी मिल रही है। इससे लोग असमंजस में हैं कि आखिर उन्हें कितनी बार की सब्सिडी मिल रही है? दरअसल कई लोगों को ७९.२६ रुपए की सब्सिडी मिल रही है तो कई लोगों को १५८.५२ रुपए या २३७.७८ रुपए की सब्सिडी मिल रही है।

खाद्यान्न योजना में चुनावी योजना

केंद्र सरकार ने अपनी छवि को सुधारने के लिए एक और निर्णय लिया है। इसमें भी केंद्र सरकार ने अपनी चुनावी योजना को ध्यान में रखकर निर्णय लिया है। सरकार ने अगले साल मार्च तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएम-जीकेएवाई) के विस्तार को मंजूरी दे दी है। यह योजना ३० नवंबर को समाप्त होने वाली थी। इस योजना के तहत, सरकार लगभग ८० करोड़ लाभार्थियों को ५ किलो खाद्यान्न मुफ्त प्रदान करती है। पीएमजीकेएवाई को मार्च २०२२ तक चार महीने के लिए बढ़ा दिया गया है, गौरतलब है कि आगामी विधानसभा चुनाव भी फरवरी-मार्च में होने वाले हैं।

कच्चे तेल बेचेगी सरकार

आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल के दामों में कमी देखने को मिल सकती है। सूत्रों के अनुसार इसका मुख्य कारण कच्चे तेल की कीमत है। दरअसल केंद्र सरकार ने अपने आपातकाल के लिए रिजर्व में रखे गए ५ मिलियन बैरल कच्चा तेल बाजार में बेचने का निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार ५ मिलियन बैरल को लीटर में कन्वर्ट करने पर यह आंकड़ा लगभग ८० करोड़ लीटर तक आ जाता है। एक बैरल में १५९ लीटर तक कच्चा तेल होता है।

प्राइमरी स्कूलों में भी बजेगी घंटी!

मुंबई, राज्य में कोरोना के प्रसार में आई कमी के चलते शहरी इलाकों में ८वीं से १२वीं और ग्रामीण इलाकों में ५वीं से १२वीं की कक्षाएं शुरू हैं। वहीं अब प्रदेश में प्राइमरी स्कूल शुरू करने की मांग जोर पकड़ रही है। टास्क फोर्स ने इस संबंध में राज्य सरकार को अहम सलाह भी दी है। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे के अनुसार मंगलवार रात टास्क फोर्स के सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें उन्होंने पहली से चौथी तक की कक्षाएं शुरू करने पर सहमति जताई है। ऐसे में मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की मंजूरी मिलते ही प्राइमरी स्कूलों को शुरू कर दिया जाएगा। टास्क फोर्स ने राज्य सरकार को प्राथमिक, विकलांग और आवासीय स्कूल शुरू करने की सलाह दी है। जल्द ही वैâबिनेट की बैठक में स्कूल शुरू करने पर पैâसला लिया जाएगा। साथ ही टास्क फोर्स ने कुछ अन्य उपाय सुझाए हैं, जिसमें आवासीय विद्यालय में आने पर आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट अनिवार्य करने की सलाह दी गई है।

महंगाई हटाओ' रैली: महंगाई के खिलाफ 12 दिसंबर को दिल्ली में रैली निकालेगी कांग्रेस, सोनिया-राहुल सभा को करेंगे संबोधित

देश में बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार को घेरने की रणनीति बना ली है। इसके तहत कांग्रेस 12 दिसंबर को दिल्ली में 'महंगाई हटाओ' रैली निकालने जा रही है। बताया जा रहा है कि इस दौरान पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी रैली को संबोधित करेंगे। इससे पहले 29 नवंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर कांग्रेस ने बीते दिन पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर अहम बैठक की थी। इसमें आगामी सत्र में पार्टी की रणनीति पर चर्चा हुई और तय किया गया कि किन-किन मुद्दों पर सरकार को घेरा जाएगा। वरिष्ठ नेता एके एंटनी, आनंद शर्मा, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी, के सी वेणुगोपाल, के सुरेश, रवनीत बिट्टू, जयराम रमेश इस बैठक में शामिल हुए थे। बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया था कि कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक में पार्टी ने कई अहम फैसले किए हैं। इसमें मुद्रास्फीति, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतें, चीन की आक्रामकता और जम्मू-कश्मीर जैसे मुद्दे शामिल हैं।

पंजाब चुनाव: सत्ता की नाव में सवार हो रहे हैं किसान नेता, पहली पसंद 'केजरीवाल' हैं तो 'चन्नी' से भी आया न्योता

किसान आंदोलन को एक साल पूरा हो गया है। तीनों कृषि कानूनों की वापसी को लेकर कैबिनेट में मुहर लग चुकी है, अब संसद की कार्यवाही बाकी है। किसान संगठनों ने 27 नवंबर की बैठक में आंदोलन को लेकर आगे की रणनीति तय करने की बात कही है। इस बीच आंदोलनकारी किसान नेताओं का सत्ता के प्रति रुझान दिखाई देने लगा है। ये सवाल उठ रहा है, क्या आंदोलन के बाद किसान नेता, सत्ता की नाव में सवार हो रहे हैं? पंजाब में उनकी पहली पसंद अरविंद केजरीवाल हैं, तो मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह 'चन्नी' की तरफ से भी उन्हें न्योता मिल रहा है। बड़े संगठनों के किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल और गुरनाम सिंह

चढ़ूनी का सियासत के प्रति मोह जगजाहिर हो चुका है। पिछले दिनों केजरीवाल के पंजाब दौरे में यह उम्मीद की जा रही थी कि वे मुख्यमंत्री पद के लिए भगवंत मान के नाम की घोषणा करेंगे, तो उन्होंने बड़ी चालाकी से यह कह कर बात को घुमा दिया कि मैं पंजाब का सीएम नहीं बनूंगा। जो भी सीएम बनेगा, वह एक सिख चेहरा ही होगा। पंजाब के लोग उस पर गर्व करेंगे। एक बड़े किसान नेता ने दावा किया है कि केजरीवाल के संपर्क में कई संगठनों के करीब 40 किसान नेता हैं। पार्टी उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट दे सकती है। ये नेता, किसान आंदोलन की शुरुआत से ही 'आप' के टच में रहे हैं। केजरीवाल किसानों की स्थिति से वाकिफ थे, बढ़ाते रहे कदमपिछले साल 26 नवंबर से दिल्ली की सीमाओं पर किसान आंदोलन शुरू हुआ था। 26 जनवरी को किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान दिल्ली में लाल किला और दूसरे स्थानों पर हिंसा भड़क उठी थी। उसके बाद भी अरविंद केजरीवाल ने किसानों के प्रति पूरी हमदर्दी दिखाई। किसानों की हर संभव मदद की गई। केजरीवाल, खासतौर से पंजाब के किसान संगठनों की ताकत से वाकिफ थे।

विवाद-कंगना रणौत की बढ़ी मुश्किलें, एनसीपी नेता ने कोर्ट में दर्ज कराई शिकायत

आजादी वाले बयान के बाद से ही कंगना रणौत की मुसीबत कम होती नहीं दिख रही है। कंगना के बयान का पूरे देश में विरोध लगातार हो रहा है। साथ ही अलग अलग राज्यों में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अल्पसंख्यक शाखा के महासचिव युसूफ परमार ने भारतीय स्वतंत्रता सैनिकों के बारे में दिए बयानों को लेकर कंगना की बोरीवली में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में शिकायत दर्ज कराई है। इसके साथ ही एक्ट्रेस पर देशद्रोह, जानबूझकर अपमान, शांति भंग करने का मुकदमा चलाने की मांग की है। युसूफ परमार के मुताबिक राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों से पद्म श्री पुरस्कार मिलने के बाद से ही कंगना रणौत ने सोशल मीडिया के साथ-साथ टेलीविजन शो पर भी लगाता निराधार बयान दिए हैं, जिसके कारण समाज में

असामंजस्य बन रहा है और अलग अलग राज्यों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। युसूफ परमार के मुताबिक राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों से पद्म श्री पुरस्कार मिलने के बाद से ही कंगना रणौत ने सोशल मीडिया के साथ-साथ टेलीविजन शो पर भी लगाता निराधार बयान दिए हैं, जिसके कारण समाज में असामंजस्य बन रहा है और अलग अलग राज्यों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। युसूफ परमार आगे कहते हैं कि कंगना रणौत ने 10 नवंबर को टीवी पर दिए एक इंटरव्यू में स्वतंत्रता सेनानियों की आलोचना की थी और कहा था कि 1947 में हमें जो मिला वह आजादी नहीं, भीख थी।

हमें सही मायने में 2014 में ही आजादी मिली है। परमार ने इसे अपानजनक बताया है, जो आम लोगों की भावनाओं को आहत कर रहा है। कंगना ने ऐसे बयान देकर न सिर्फ भारत के सविधान का अपमान किया है, बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को नीचा दिखाया है। जिन्होंने आजादी के लिए अपनी जान दे दी। परमान ने कहा कि 13 नवंबर को कंगना के खिलाफ मुंबई के मलाड पुलिस थाने में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। इससे पहले दिल्ली महिला आयोग भारत के राष्ट्रपति को पत्र लिखकर कंगना की टिप्पणी के लिए दिए गए पद्मश्री को वापस लेने की मांग कर चुकी है। कंगना के मामले की सुनवाई कोर्ट 7 जनवरी को तय करेगी।

जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र राज्य स्तरीय बैठक घोड़बंदर क्षेत्र में सर्किट हाउस में संपन्न हुई

अध्यक्ष नारायण पंचांल जनरल सेक्रेटरी प्रवीण दवणे उपाध्यक्ष प्रो हेमंत सामंत के रवि, मीरा भायंदर यूनिट ,वसई विरार, यूनिट, थाने यूनिट पालघर यूनिट मुंबई यूनिट और शाहपुर यूनिट के पदाधिकारी और सभासद की उपस्थिति थी यह मीटिंग में नए पत्रकार के लिऐ ट्रेनिंग कैंप और मुंबई पत्रकारों के लिए अभ्यास अनुसार सर्टिफिकेट कोर्स और पत्रकार दिन के कार्यक्रम और पुरस्कार देने बाबत चर्चा हुई पत्रकार दिन के कार्यक्रम करने की अनुमति मीरा भायंदर यूनिट ने मांगी जिसकी सर्वसम्मति के अनुसार कार्यक्रम करने की अनुमति दी गई पंजाब चंडीगढ़ यूनिट के अध्यक्ष विनोद कोहली की प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया पद पर नियुक्ति होने पर प्रवीण दवने अभिनंदन व्यक्त किया थाने यूनिट के पदाधिकारी मनजीत सिंग ने राष्ट्रीय राज्यस्तरीय और तालुकास्तरीय यूनीयन के मेंबर लोगों की नाम और एड्रेस मोबाइल नंबर की डायरी बनाने की अनुमति मांगी कुंती या मांग यूनियन के पदाधिकारी ने मान्य की इस बैठक में सतीश साटम को सिंधुदुर्ग संपर्क प्रमुख के रूप में चुना गया राजेश यादव को आयोजन सचिव का पद दिया गया जबकि मोहम्मद शेख बी,डी गायकवाड और संजय शिंदे को राज्य कार्यकारिणी के रूप में चुना गया शासन प्रशासन को खूब लेटर बाजी हुई लेकिन अब यूनियन को रस्ते पर उतर केही आवाज उठाना पड़ेगा

कोरोना के मंदे पड़ते ही वैक्सीन में दिलचस्पी घटी

50 हजार लोगों ने मुंबई से बाहर ली दूसरी खुराक

मुंबई, मुंबई में कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक ले चुके करीब पौने पांच लाख लाभार्थी दूसरी खुराक लेने से चूक गए हैं। इन्हें खोजने का काम वॉर्ड स्तर पर बने वॉर रूम को सौंपा गया है। अब तक किए गए कॉल्स और डोर टू डोर दस्तक में 50 हजार लाभार्थियों के मुंबई से बाहर दूसरा डोज लेने की बात सामने आई है। बता दें कि मुंबई में इन दिनों वैक्सीनेशन की रफ्तार धीमी पड़ी हुई है। वैक्सीनेशन सेंटरों पर लगनेवाली भीड़ अब गायब हो चुकी है। वैक्सीनेशन के कम होने की प्रमुख वजह लोगों का वैक्सीनेशन केंद्रों पर न आना बताया जा रहा है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने बताया कि मुंबई में करीब 4 लाख, 73 हजार ऐसे लाभार्थी हैं, जो पहली खुराक लेने के बाद दूसरी खुराक का समय आने के बाद भी टीके लगवाने के लिए टीकाकरण केंद्रों पर नहीं पहुंचे हैं।

काकानी ने बताया कि दूसरा डोज लेने के लिए केंद्र पर न पहुंचनेवाले सभी लाभार्थियों को तलाशने का जिम्मा वॉर्ड वॉर रूम को सौंपा गया है। हर वॉर्ड में 20 से 23 हजार लाभार्थी हैं, जो दूसरा डोज लेने नहीं आए हैं। बिना प्रूफवालों को 9 हजार से अधिक डोज कोविड वैक्सीन लेने के लिए आधार, वोटिंग आईडी, पैन कार्ड व अन्य में से एक प्रूफ जरूरी है, लेकिन मुंबई में कई लोग ऐसे भी हैं, जिनके पास कोई भी प्रमाण पत्र नहीं है। टीकाकरण के शुरुआत में बिना प्रमाण वाले लोगों को वैक्सीन नहीं दी जा रही थी।

इसके बाद बीएमसी ने मुंबई में रह रहे हर एक व्यक्ति को कोविड से सुरक्षा देने की योजना बनाई। विशेष टीकाकरण मुहिम के तहत ऐसे लोगों का भी टीकाकरण किया गया, जिनके पास कोई प्रमाण नहीं है। अनाथालय में रह रहे लोगों, ट्रांसजेंडर, सेक्स वर्कर, कैदी और सड़क पर रहनेवालों के टीकाकरण की शुरुआत की गई। काकानी ने बताया कि बिना प्रमाण पत्र के लोगों का टीकाकरण करना भी एक चुनौती थी, लेकिन हमें सभी को सुरक्षित करना है, इस उद्देश्य से हमने इन लोगों का टीकाकरण शुरू किया। लगभग 3 महीने में ऐसे 9 हजार से अधिक लोगों का टीकाकरण किया है।

दिव्यांग व मानसिक रोगियों को भी मिला लाभ

बीएमसी ने दिव्यांग और मानसिक विकार से ग्रस्त लोगों के लिए भी विशेष टीकाकरण मुहिम चलाई। बीएमसी ने अब तक करीब 8 हजार दिव्यांग और मानसिक रोग से ग्रस्त लोगों को कोविड टीके की खुराकें दी हैं। 4900 से अधिक को फर्स्ट डोज और 2800 से अधिक को दूसरा डोज भी दे दिया गया है।

क्या घटेगी आबादी, जानें क्या है NFHS-5 की रिपोर्ट के मायने

नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-5) की ताजा रिपोर्ट ने यह महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है कि भारत में टोटल फर्टिलिटी रेट यानी राष्ट्रीय प्रजनन दर 2.2 से कम होकर 2.0 तक पहुंच गई है। प्रति महिला औसत प्रजनन दर 2.1 को रिप्लेसमेंट मार्क के रूप में जाना जाता है। यानी इस औसत पर जनसंख्या कमोबेश स्थिर रहती है। यह पहली बार हुआ है कि देश की राष्ट्रीय प्रजनन दर रिप्लेसमेंट मार्क से भी नीचे चली गई। ध्यान रहे, ऐसा संयोगवश या किसी नाटकीय घटनाक्रम के तहत नहीं हुआ है। औसत प्रजनन दर में कमी की प्रवृत्ति काफी समय से दिख रही थी। ऐसे में यह मानना गलत नहीं होगा कि क्रमिक रूप से आया यह बदलाव काफी हद तक टिकाऊ है। निकट भविष्य में इसके अचानक फिर ऊपर का रुख ले लेने जैसे कोई आसार नहीं हैं। इसका मतलब यह हुआ कि देश की जनसंख्या को लेकर अपने नजरिये में भी हमें बदलाव लाने की जरूरत है। आजादी के बाद से ही जनसंख्या बढ़ोतरी को एक समस्या के रूप में देखने के हम आदी रहे हैं। लेकिन अलग-अलग स्तर पर जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने की कोशिशें चलती रहीं। मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जरूर 'जनसंख्या विस्फोट' की जगह डेमोग्राफिक डिविडेंड का विमर्श चलाकर यह समझाने का प्रयास किया कि जनसंख्या हमारी समस्या नहीं है। इसका उपयुक्त इस्तेमाल हो तो यह हमारे लिए

सबसे बड़ा वरदान साबित हो सकती है। मगर इस विमर्श का जमीन पर कोई खास असर नहीं देखा जा सका है। कुछ हिंदुत्ववादी संगठन आज भी जनसंख्या वृद्धि को देश की एक बड़ी समस्या के रूप में देखते हैं और इसके लिए उन समुदायों को दोषी ठहराते हैं जिनमें जन्मदर अपेक्षाकृत ज्यादा है। इतना ही नहीं, बीजेपी शासित कुछ राज्यों ने हाल में भी जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कानून लाने की बात कही है। यूपी, असम, कर्नाटक, गुजरात आदि राज्यों में खुद मुख्यमंत्री या कैबिनेट सदस्य ऐसा कानून लाने का इरादा जता चुके हैं। बीजेपी सांसद राकेश सिन्हा और अनिल अग्रवाल संसद में भी ऐसे एक निजी विधेयक का नोटिस दे चुके हैं। यह समझा जाना जरूरी है कि जनसंख्या को लेकर ऐसा विमर्श अब न केवल पुराना पड़ चुका है बल्कि बदले हालात में इससे प्रेरित कदम हानिकारक साबित होंगे। ताजा प्रवृत्ति जारी रही तो कुछ ही समय में हमारी आबादी घटने लगेगी और चुनौतियों का स्वरूप बिल्कुल बदल जाएगा। इसलिए जरूरी है कि लकीर का फकीर बन पुराना राग अलापते रहने के बजाय हम खुद को आने वाली नई चुनौतियों के लिए तैयार करें।

आपातकाल के दौरान तो जबरन नसबंदी जैसे कार्यक्रम भी सरकार की ओर से चलाए गए। तत्कालीन सरकार की उस वजह से हुई बदनामी के चलते बाद की सरकारों ने वैसा कोई सख्त कार्यक्रम दोबारा नहीं शुरू किया,

तेल पर लगाम

किरीट ए. चावड़ा

तेल और गैस की ऊंची कीमतों से जूझते दुनिया के प्रमुख तेल उपभोक्ता देशों ने पूरे तालमेल के साथ अपने भंडार से तेल की आपूर्ति बढ़ाने का फैसला किया है। अपनी तरह की इस पहली और अनोखी पहल का मकसद अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों को नीचे लाना है। ध्यान रहे, पिछले करीब एक साल में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी हो चुकी है। पिछले महीने यह तीन साल के शिखर 86 डॉलर प्रति बैरल को भी पार कर गया था। भारत और अमेरिका समेत तमाम तेल उपभोक्ता देश तेल निर्यातक देशों के समूह ओपेक (ऑर्गनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज) से बार-बार तेल उत्पादन में मांग के अनुरूप बढ़ोतरी लाने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन वह इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। ऐसे में अमेरिका, चीन, भारत, जापान, साउथ कोरिया, ब्रिटेन जैसे देशों ने अपने भंडारों से तेल की आपूर्ति बढ़ाने का फैसला किया है। गौर करने की बात है कि कोरोना महामारी के उथल-पुथल भरे इस दौर में एनर्जी मार्केट को असाधारण उतार-चढ़ावों से गुजरना पड़ा। लॉकडाउन जैसे कदमों के प्रभाव में एक समय उत्पादन संबंधी गतिविधियां ठप पड़ने से तेल की मांग में अभूतपूर्व

कमी आ गई थी। उसके बाद धीरे-धीरे हालात बदले। लेकिन अब जब मांग महामारी से पहले के स्तर पर पहुंच रही है, तेल सप्लाई उस अनुपात में नहीं बढ़ रही, जिससे न केवल इन देशों में पेट्रोल और गैस के भाव आसमान छू रहे हैं बल्कि आम लोगों को कई अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

भारत में भी बेलगाम हो रही पेट्रोल की कीमतों को कुछ हद तक नियंत्रित करने के लिए एक्साइज ड्यूटी में कमी लानी पड़ी, जिससे सरकारी खजाने पर करीब 60,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ा। हालांकि, यह बात भी सच है कि भारत में हाल के वर्षों में इस पर एक्साइज ड्यूटी में काफी बढ़ोतरी हुई थी। असल में, तेल की ऊंची कीमतें न केवल महंगाई बढ़ा रही हैं बल्कि इस वजह से इकॉनमिक रिकवरी में भी मुश्किल हो रही है। अपने रिजर्व से तेल निकाल कर ओपेक देशों को उपयुक्त संदेश देने का यह फैसला इसी मजबूरी से निकला है। हालांकि चाहे भारत के 3.8 करोड़ बैरल के भंडार में से 50 लाख बैरल निकालने की बात हो या अमेरिका के 60 करोड़ बैरल के भंडार में से 5 करोड़ बैरल निकालने की, यह मात्रा इतनी कम है कि इसका कोई और अर्थ नहीं लिया जा सकता। निश्चित रूप से यह एक सांकेतिक कदम है।

अब देखने वाली बात यह है कि ओपेक देश इसे किस रूप में लेते हैं। उनकी अगली बैठक 2 दिसंबर को होनी है जिसमें वे जनवरी के लिए अपनी उत्पादन योजना को अंतिम रूप देंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि ओपेक तेल उपभोक्ता देशों के इस कदम को सही संदर्भों में लेते हुए इस पर पॉजिटिव ढंग से रिएक्ट करेगा।

क्या अगले साल तक LAC पर बना रहेगा तनाव

जिगर डी वाढेर

भारत और चीन, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 50 हजार से अधिक सैनिकों की आमने-सामने युद्ध की अवस्था में सबसे लंबी तैनाती कर दुनिया में एक कीर्तिमान बना चुके हैं। 10 अक्टूबर को दोनों देशों के बीच 13वें दौर की वार्ता विफल रही। इसके बाद 18 नवंबर को भारत और चीन के राजनयिकों की मीटिंग हुई। इसमें सैन्य कमांडरों के 14वें दौर की बैठक को हरी झंडी मिली। भारत और चीन विवाद सुलझने तक हालात को स्थिर बनाए रखने को मान गए हैं। लेकिन विवाद तो तभी सुलझेगा, जब दोनों में से कोई झुके। दोनों ने किए युद्धाभ्यास 18 महीनों से दोनों देशों की सेनाएं एलएसी पर हैं। यह दूसरी सर्दी होगी, जब हालात ऐसे ही रहेंगे। इसी 16 नवंबर को भारतीय थलसेना और वायुसेना ने एक साझा अभ्यास कर यह देखा कि अगर आगामी सर्दियों में युद्ध छिड़ जाए तो अलग-अलग मोर्चों पर सैनिक साजोसामान पहुंचाने की उनकी तैयारी कैसी है। भारत ने बताया कि हाई इंटेंसिटी वाले इस अभ्यास का मकसद यह पता लगाना था कि उत्तरी सेक्टर और संभावित संघर्ष वाले इलाकों में जरूरी साजोसामान पहुंचाने की व्यवस्था को कैसे मजबूत किया जाए। इस अभ्यास में वायुसेना ने अपने सबसे बड़े अमेरिकी ग्लोबमास्टर मालवाहक विमानों (80 टन भार उठाने की क्षमता) के अलावा रूसी आईएल-76(40 टन) और एएन-32 परिवहन विमानों (छह टन) का इस्तेमाल कर थलसेना के लिए जरूरी सैनिक साजोसामान और हथियार पहुंचाने की क्षमता परखी। वायुसेना ने एक साथ बीसियों टन सैनिक साजोसामान टकराव वाले इलाकों में पहुंचाने का अभ्यास किया। यह दिखाया कि युद्ध होने पर पर वह किस तरह से तालमेल कर इस काम को अंजाम देगी। इससे पहले 8 नवंबर को चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने बताया था कि उसके जवानों ने एक सप्ताह तक पश्चिमी पठारों के इलाके में युद्धाभ्यास किया। चीन ने बताया कि नवंबर की शुरुआत में भारतीय सेनाओं ने एक बड़ा सैन्याभ्यास किया था, इसलिए उसने भी ऐसा ही किया। चीनी विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी सेना का यह कदम भारत के उकसावे वाली कार्रवाई के जवाब में था। इसमें दिखाया गया कि चीन अपनी संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। इससे पहले शिनच्यांग मिलिट्री कमांड ने संयुक्त फायर स्ट्राइक कन्फ्रंटेशन ड्रिल यानी पीएलए की जमीनी और हवाई सेना ने मिलकर युद्ध का अभ्यास किया।साफ है कि लगातार दूसरी सर्दी के पहले भारत और चीन अपने-अपने कब्जे वाले इलाकों में युद्ध का शंखनाद कर रहे हैं। भारत और चीन की सेनाओं ने अपने शस्त्र भंडार की सबसे संहारक तोपों, मिसाइलों, लड़ाकू विमानों, मानवरहित विमानों यानी ड्रोनों को तैनात किया है। इनके साथ परमाणु हथियारों की ताकत भी है। भारतीय सेना की ओर से 300 किलोमीटर तक मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइलें, 40 किलोमीटर तक मार करने वाली हॉवित्जर तोपें, परमाणु बम गिराने में सक्षम सुखोई-30 और रफाल लडाकू विमानों से बचाव के लिए चीन ने रूस से ही खरीदी गई एस-400 एंटी मिसाइलें तैनात की हुई हैं। भारतीय सेना भी जल्द से जल्द एस-400 मिसाइलों की तैनाती कर सकती है। सवाल यह है कि दोनों देश एक-दूसरे को झुकाने के लिए केवल बंदरघुड़की ही दिखा रहे हैं या यह संदेश देना चाहते हैं कि वे युद्ध के लिए तैयार हैं। भारत-चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के टकराव वाले इलाकों- गलवान और पैंगोंग से तो दोनों सेनाएं पीछे हट चुकी हैं, लेकिन हॉट स्प्रिंग और देपसांग में चीन पीछे नहीं हटने की जिद पर अड़ा है। पिछले 10 अक्टूबर को भारत और चीन के सैन्य कमांडरों की 13वें दौर की बातचीत चीन के अड़ियल रवैये की वजह से विफल रही। चीनी पक्ष ने शायद यह सोचा होगा कि सर्दियों को देखते हुए भारतीय पक्ष कुछ समझौता करने को तैयार होगा। लेकिन भारतीय सामरिक नेतृत्व ने दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। उसने भारी वजन वाले हथियारों को ढोने की क्षमता दिखाई। इससे यह संदेश गया कि वह किसी भी क्षण चीनी सेना से दो-दो हाथ करने को तैयार है। लेकिन दुनिया की दो आधुनिकतम सेनाएं एक दूसरे को सैन्य ताकत दिखाएं तो उससे भयावह आशंकाएं पनपती हैं। युद्ध न तो भारत चाहता है और न ही चीन। फिर भी चीन अपनी ताकत के दम पर भारत को डराकर झुकाना चाहता है। इसके लिए उसने वास्तविक नियंत्रण रेखा के इलाके में सैनिकों की लंबे वक्त तक तैनाती के लिए मजबूत ढांचागत संरचनाएं बनाई हैं। भारतीय सेना ने भी जवाब में ऐसा ही किया है। यह स्थिति कब तक बनी रहेगी? अगर यह जिद चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की निजी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की वजह से है तो माना जा सकता है कि कम से कम अगले साल अक्टूबर तक (जब चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की हर पांच साल में होने वाली 20वीं कांग्रेस होगी) भारत और चीन की सेनाएं इसी तरह आमने सामने बर्फीली पहाड़ियों पर जमी रहेंगी। चीन को पता है कि भारत युद्ध छेड़ने वाली कोई कार्रवाई नहीं करेगा क्योंकि इससे भारत की अर्थव्यवस्था तबाह हो जाएगी।

क्या चाहते हैं चिनफिंग

दूसरी ओर, चिनफिंग पांच साल के अपने तीसरे कार्यकाल को सुनिश्चित करने के लिए न केवल भारत बल्कि दक्षिण चीन सागर और ताइवान में अपनी ताकत दिखा रहे हैं। वह हॉन्गकॉन्ग, तिब्बत और शिनच्यांग में भी अतिराष्ट्रवादी भावनाओं के जरिये जनता और पार्टी काडरों का दिल जीतने की कोशिश कर रहे हैं। आगामी पार्टी कांग्रेस के पहले चिनफिंग (जो चीन के सर्वशक्तिशाली मिलिट्री कमिशन के मुखिया भी हैं) ने पिछले कुछ महीनों में पीएलए के आला जनरलों की छुट्टी कर अभूतपूर्व तौर पर पार्टी के अंदर अपनी स्थिति मजबूत की है।

लोकतंत्र के लिए कैसा है कृषि कानूनों पर फैसला

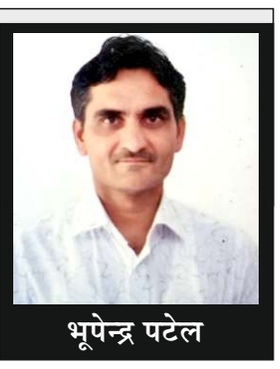

भूपेन्द्र पटेल

राजनीति विज्ञान में किसी पश्चिमी विचारक का प्रधानमंत्री पद के लिए एक कथन खूब पढ़ाया जाता है। इसके जरिए बताने की कोशिश होती है कि संसदीय लोकतंत्र में प्रधानमंत्री पद की क्या अहमियत होती है। इस कथन के अनुसार, प्रधानमंत्री देश रूपी जहाज का मस्तूल होता है। पानी के जहाज में मस्तूल का वही काम होता है, जो कार-बस में स्टीयरिंग का। इस कथन के संदर्भ में देखें तो तीन कृषि कानूनों की वापसी की प्रधानमंत्री की घोषणा का स्वागत होना चाहिए। लेकिन पिछले साल नवंबर से आंदोलनरत तबके अपना आंदोलन वापस लेने को तैयार ही नहीं। बल्कि, उनकी मांगों की फेहरिस्त लगातार बढ़ती जा रही है।

अपने-अपने नैरेटिव

चूंकि वैचारिकी और राजनीति के लिहाज से मुफीद विचारों का ही समर्थन आज के दौर का चलन है, इस वजह से विरोधी खेमे और वैचारिकी वाले वे लोग भी प्रधानमंत्री के इस कदम का समर्थन नहीं कर पा रहे हैं, जिनकी सोच बदलती नजर आ रही है। बीजेपी विरोधी एक मुखर दल की सरकार के एक मंत्री ने इन पंक्तियों के लेखक से दो दिन पहले एक बातचीत में कहा कि 'प्रधानमंत्री ने अपनी छवि के उलट जाकर बड़ी लकीर खींचने की कोशिश की है। देश और लोकतंत्र के हित में इस लकीर का सम्मान किया जाना चाहिए।' यह बात और है कि इस सोच को वह अपनी ही पार्टी में जाहिर नहीं कर पा रहे।

सोशल मीडिया के दौर में सबके अपने-अपने नैरेटिव हैं और उसी के अनुरूप अपने-अपने चहेतों और विरोधियों की छवियां हैं। नैरेटिव के हिसाब से सबके अपने दुश्मन हैं और सब उन्हें अपनी तरह से नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। दिलचस्प है कि सारा कुछ देश और लोकतंत्र को बचाने के नाम पर हो रहा है। सच पूछें तो देश और लोकतंत्र की असल चिंता अगर कहीं है, तो वह 'ऑफ द रेकॉर्ड' वाले विचारों और ठेठ देसज सोच में ही बची रह गई है। जब प्रधानमंत्री ने कृषि कानूनों की वापसी का ऐलान किया तो देसज सोच और 'ऑफ द रेकॉर्ड' वाली वैचारिकी को लगा कि अब प्रधानमंत्री की अपील के मुताबिक किसान अपने घरों और खेतों में लौट जाएंगे। लेकिन जिस तरह का रुख किसान आंदोलन ने दिखाया है, उससे उस आंदोलन का समर्थन कर रहा तबका भी मुतमईन नजर नहीं आ रहा है। उसे भी अब महसूस होने लगा है कि किसानों के नाम पर दरअसल राजनीति हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की छवि उनके विरोधियों की नजर में निरंकुश और अड़ियल शासक की रही है। हालांकि इस सोच को चुनौती नागरिकता संशोधन विरोधी आंदोलन के साथ ही किसान आंदोलन भी देता रहा है। दोनों आंदोलनों को पुलिस या सेना के दम पर दबाने की सरकार ने कभी कोशिश नहीं की। ऐसा नहीं कि प्रधानमंत्री चाहते तो यह नहीं हो सकता था। राजनीति विज्ञानी मानते ही हैं कि संसदीय लोकतंत्र में बहुमत दल का नेता बहुमत के चलते निरंकुश बन सकता है। लेकिन कम से कम नागरिकता संशोधन कानून विरोधी आंदोलन और किसान आंदोलन को कुचलने की प्रत्यक्ष प्रशासनिक कोशिश नजर नहीं आई। प्रतिपक्षी दल के एक नेता ऑफ द रेकॉर्ड कथन में प्रधानमंत्री की तुलना अशोक से करने लगे हैं। अशोक का राज्याभिषेक ईसा पूर्व 270 में हुआ। तब से लेकर ईसा पूर्व 261 तक उसने लगातार मौर्य साम्राज्य का विस्तार किया। तब तक अशोक बड़ा और प्रतापी रहा। लेकिन कलिंग विजय के बाद जब वह धम्म यानी बौद्ध धर्म की ओर झुका, तब उसकी जिंदगी की नई यात्रा शुरू हुई। इसके बाद ही वह महान माना गया। तलवार के बजाय करुणा के दम पर शुरू हुई विश्व विजय यात्रा ही अशोक को महान बनाती है। इन संदर्भों के लिहाज से देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा भी अशोक की कलिंग विजय से पहले तक की यात्रा जैसी ही रही है। नोटबंदी हो या कश्मीर से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 370 का खात्मा, राममंदिर का निर्माण हो या फिर तीन तलाक जैसी दारुण व्यवस्था का समापन- इन तमाम कदमों से प्रधानमंत्री मोदी का कड़क रुख ही जाहिर होता रहा है। कृषि कानूनों की वापसी कलिंग विजय के बाद विचलित अशोक की धम्म यात्रा जैसी है।

यह मामूली बात नहीं है कि निरंकुश और अड़ियल समझी जाने वाली शख्सियत अपने मान और अपमान को किनारे रखकर उन कानूनों की वापसी के लिए देश से माफी मांग ले, जिसे वह अब भी खराब नहीं मानती। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री योगेंद्र कुमार अलघ की कभी ना तो संघ परिवार से नजदीकी रही, ना कभी वे नरेंद्र मोदी के करीबी रहे। लेकिन कानून वापसी के अगले ही दिन लिखे अपने लेख में उन्होंने माना है कि इस कानून को अगर कड़ी-दर-कड़ी लागू किया जाता तो नतीजे कुछ और होते। उन्होंने कहा है कि कुछ अपवादों को छोड़ दें तो ये कानून खराब नहीं थे। कृषि कानूनों की वापसी के बाद मांग उठने लगी है कि प्रधानमंत्री इसी तरह नागरिकता संशोधन कानून को भी वापस लें।

नई-नई मांगें

शासक के सामने हमेशा ये दिक्कत रहती है कि अगर वह अपने एक फैसले के लिए माफी मांगता है तो उसके विरोधी कई दूसरे भी फैसलों की वापसी के लिए कुतर्क पेश करने लगते हैं। प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद ऐसा होने लगा है। ऐसी मांगों का कोई अंत नहीं होता। सियासी मैदान में विरोधी को नीचा दिखाने के लिए ऐसे करतब होते रहेंगे। पर लोकतंत्र में बहुमत के साथ ही लचीला रुख अपनाने वाले की भावनाओं का भी सम्मान करना निहित है। आने वाले पांच राज्यों के चुनाव इसका भी फैसला कर देंगे कि अपने देश में मतदाताओं को लचीलापन स्वीकार्य है या अड़ियलपन।

शक्ति मिल केस का कसाब केस से क्या कनेक्शन! सेक्स वर्कर की टिप से पकड़े गए थे आरोपी

मुंबई, शक्ति मिल गैंगरेप में गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने तीन आरोपियों विजय जाधव, मोहम्मद कासिम शेख और मोहम्मद सलीम अंसारी की फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। हालांकि, शक्ति मिल गैंगरेप केस साल, 2013 का है, लेकिन इस केस के डिटेक्शन का कनेक्शन साल, 2008 के 26/11 केस से जुड़ रहा है। वह कैसे? मुंबई क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने इसकी अनूठी कहानी सुनाई। इस अधिकारी के अनुसार, सलीम अंसारी के बारे में हमें जानकारी मिली कि इसका मुंबई के लेमिंगटन रोड में एक सेक्स वर्कर के यहां नियमित आना जाना था। उसके लिए उसने नालासोपारा में कुछ महीने के लिए किराए का घर भी लिया और उससे यह धंधा छोड़ने को कहा। लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं हुई और वापस लेमिंगटन रोड आ गई। अलग होने के बावजूद दोनों के संबंध बने रहे और मुसीबत के वक्त वह अंसारी को जब-तब मदद भी करती रही। शक्ति मिल गैंगरेप कांड के बाद अंसारी ने अपना मोबाइल बंद कर दिया था, इसलिए क्राइम ब्रांच ने इस सेक्स वर्कर का मोबाइल सर्विलेंस पर लिया। एक दिन पता चला कि अंसारी ने सूरत में रेलवे स्टेशन के पास के पीसीओ से इस लड़की को फोन किया और कुछ रुपयों की डिमांड की। फौरन क्राइम ब्रांच टीम इस लड़की के पास पहुंच गई और फिर उससे अंसारी का पूरा डिटेल निकाल लिया। उसे बताया कि अंसारी ने कितना बड़ा क्राइम किया है।

यदि वह क्राइम ब्रांच की हेल्प नहीं करेगी, तो उसे क्राइम ब्रांच अरेस्ट कर लेगी। इसके बाद लड़की ने वादा किया कि क्राइम ब्रांच जैसा कहेगी, वह वैसा करेगी। अगले दिन अंसारी का लड़की के पास फिर फोन आया। कहा कि उसे कोलकाता भागना है, करीब पांच हजार रुपये चाहिए। लड़की ने कहा कि थोड़ा वक्त दो, फिर बताती हूं कि इंतजाम हो पाएगा या नहीं। कई घंटे बाद अंसारी का फिर लड़की के पास फोन आया। उसने कहा कि हां, रुपयों का इंतजाम हो गया है, बताओ, तुम तक कैसे रकम पहुंचाएं? अंसारी ने इस पर उससे गिरगांव चौपाटी पहुंचने को कहा। लड़की जब चौपाटी पहुंच गई, तब उससे ऑपेरा हाउस में सुख सागर बिल्डिंग के पास पहुंचने को कहा गया। जब लड़की वहां पहुंची, तो उसे गिरगांव में उस जगह पहुंचने को कहा गया, जहां 26/11 का एनकाउंटर हुआ था और अजमल कसाब पकड़ा गया था। लड़की कुछ देर बाद वहां पहुंची। उससे जैसे ही अंसारी यह रकम ले रहा था,

उसे तब उन इंस्पेक्टर भास्कर कदम ने अपनी टीम के साथी हृदय मिश्रा के साथ मिलकर गिरफ्तार कर लिया, जिनकी गोलियों से उस गिरफ्तारी के पांच साल पहले कसाब और अबू इस्माइल घायल हुए थे। सलीम अंसारी की गिरफ्तारी के बाद फिर एक-एक कर और आरोपी पकड़े जाते रहे।

पेंग्विन की देखभाल पर 15.26 करोड़ खर्च करेगी बीएमसी

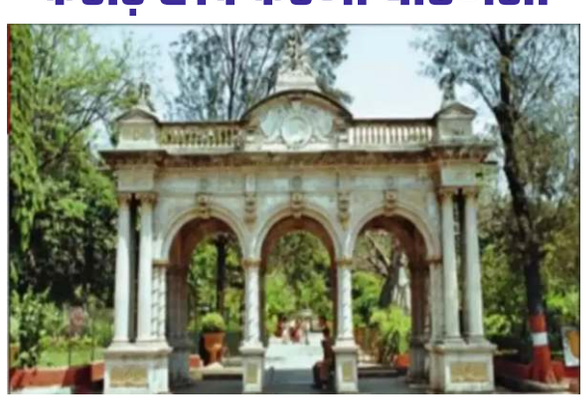

मुंबई, रानीबाग में पेंग्विन की देख-रेख पर होने वाले खर्च का विपक्ष ने विरोध किया था, जिसे दरकिनार करते हुए बीएमसी कमिश्नर आई.एस. चहल ने प्रस्ताव को मंजूरी के लिए स्थायी समिति के पास भेजा है। अगले 3 साल में पेंग्विन की देखभाल पर 15,26,23,720 रुपये खर्च होंगे। खास बात यह है कि देखभाल की जिम्मेदारी एक बार फिर उसी ठेकदार को देने की तैयारी है। प्रस्ताव में साफ किया गया है कि इसी खर्च में 7 पेंग्विन और उनके दो बच्चों की भी देखभाल ठेकेदार करेगा। साथ ही यदि इस दौरान पेंग्विन का नया बच्चा पैदा होता है, तो अतिरिक्त रकम नहीं दी जाएगी। बता दें कि सितंबर 2021 में बीएमसी ने पेंग्विन की देखभाल के लिए अगले 3 साल तक 15 करोड़ रुपये का टेंडर निकाला था। जिस पर विपक्षी बीजेपी, कांग्रेस एवं एसपी ने सवाल खड़े किए थे। इन दलों का कहना था कि मुंबईकर कोरोना संकट से जूझ रहे हैं, जबकि बीएमसी पेंग्विन पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। बीएमसी में नेता विपक्ष रवि राजा ने कहा था कि पेंग्विन ठेकेदारों के लिए तिजोरी भरने का साधन हो गई है, जबकि डेढ़ साल से रानीबाग बंद है।

नवाब मलिक का समीर वानखेड़े पर नया आरोप

नवाब मलिक ने समीर वानखेडे और उनके परिवार पर नया और गंभीर आरोप लगाया है। मलिक ने कहा कि पूरा परिवार दोहरी पहचान लेकर जी रहा है। जहां उन्हें जरूरत होती है तो वह मुस्लिम धर्म का सहारा लेते हैं और सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए हिंदू धर्म का सहारा लेते हैं। इस तरह से पूरा परिवार धोखाधड़ी में जुटा हुआ है।

निशाना : विदर्भ की जनता को न्याय देने के लिए नागपुर में होना चाहिए था सत्र

मुंबई। विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दरेकर ने नागपुर के बदले मुंबई में शीत सत्र आयोजित करने के राज्य सरकार के फैसले की आलोचना की है। दरेकर ने कहा कि विदर्भ की जनता को न्याय देने के लिए नागपुर में अधिवेशन होना चाहिए था। लेकिन सरकार ने मुंबई में शीत सत्र आयोजित करने का फैसला किया है। शीत सत्र की अवधि एक सप्ताह रखी गई है। लेकिन प्रत्यक्ष रूप से सदन में दो से तीन कामकाज हो पाएगा। क्योंकि सत्र की अवधि के दौरान कुछ छुट्टियां भी हैं। दरेकर ने कहा कि विदर्भ से आने वाले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले नागपुर में अधिवेशन न करने पर कुछ टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। इससे साफ है कि कांग्रेस के लिए जनता से ज्यादा सत्ता महत्वपूर्ण हो गई है

अन्ना हजारे की एंजियोग्राफी हुई, हालत स्थिर

मुंबई। गांधीवादी और सामाजिक कार्यकर्ता किसान बाबूराव उर्फ अन्ना हजारे को गुरुवार सुबह एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी एंजियोग्राफी की गई। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अवधूत बोमडवाड ने कहा कि पिछले 2-3 दिनों से सीने में हल्के दर्द के बाद हजारे को यहां रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया। अस्पताल ने कहा कि विशेषज्ञों की एक टीम ने उनकी पूरी जांच की और ईसीजी टेस्ट भी हुआ। पता चला कि उनके हृदय में रक्त-संचार में मामूली रुकावट आई।

पर्यटन पर जाने से भाजपा नगरसेविकाओं का इनकार

नागपुर। विधानपरिषद चुनाव में भीतरघात की आशंका से डरी भाजपा ने अपने नगरसेवकों को 27 नवंबर से 13 दिन के लंबे पर्यटन पर ले जाने का निर्णय लिया है। इस दौरान नगरसेविकाओं को 3 अलग-अलग टीम में बांट कर सपरिवार भेजना तय किया गया, लेकिन पार्टी के इस निर्णय से अनेक नगरसेविकाओं में बेचैनी है। 13 दिन तक शहर से दूर रहने पर बच्चों की पढ़ाई, घर में बुजुर्गों की देखभाल सहित प्रभागों के काम प्रभावित होने की आशंका से अनेक बेचैन हैं। खबर है कि कुछ नगरसेविकाओं ने नाराजगी जताते हुए इस दौरे पर जाने से अनिच्छा जाहिर की है। बुधवार को बैठक के दौरान कुछ नेताओं के सामने पीड़ा भी रखी। हालांकि ह्विप जारी होने से सभी के लिए यह बंधनकारी माना जा रहा है।

मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

नागपुर। मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर 1 लाख 45 हजार रुपए की धोखाधड़ी करनेवाले तीन आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों के नाम मुकुल देवनाथ वानखेडे अभ्यंकर नगर नागपुर, कपिल शंकर वाट और रितेश किशोर मेहर हनुमान नगर कामठी नागपुर निवासी है। रामकृष्ण इंगोले ने बजाज नगर थाने में ठगी की शिकायत की है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 23 अप्रैल 2017 को आरोपी मुकुल वानखेडे, कपिल वाट और रितेश मेहर ने उनके बेटे को मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर 2.50 लाख रुपए लिए। आरोपियों ने जब उनके बेटे को नौकरी नहीं दिलाया तो वह पैसे वापस मांगे। आरोपियों ने उन्हें 1 लाख 5 हजार रुपए वापस दिए, लेकिन बाकी 1 लाख 45 हजार रुपए वापस करने में आनाकानी करने लगे। तब रामकृष्ण इंगोले ने तीनों आरोपियों के खिलाफ बजाज नगर थाने में शिकायत की।

बैंक का फर्जी सहायक प्रबंधक गिरफ्तार

नागपुर। अपराध शाखा पुलिस के हफ्ता वसूली विरोधी दस्ते ने चैतन्य उर्फ चेतन मौदेकर (27) गोलीबार चौक जागनाथ बुधवारी निवासी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बैंक का फर्जी सहायक प्रबंधक बनकर ठगी की। आरोपी ने 11 से 20 अप्रैल 2021 के दरमियान छोटेलाल भारती को झांसा देकर उनसे 2 लाख रुपए की मांग कर एक लाख रुपए ठग लिए। आरोपी ने छोटेलाल चनकापुर कॉलोनी, खापरखेड़ा निवासी को बताया कि वह एसबीआई बैंक में छापरू नगर शाखा में सहायक प्रबंधक है। बैंक में विक्की प्रमोद भारती नामक व्यक्ति की 1 करोड़ रुपए की बीमा पालिसी है। मृतक का कोई वारिस नहीं है। वह उसका वारिस बन कर 1 करोड़ रुपए का लाभ दे सकता है। इसके लिए आरोपी ने 2 लाख रुपए की मांग छोटेलाल से कर एक लाख रुपए ले लिया। इस बारे में शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी चेतन मौदेकर को धरदबोचा।

बॉर्डर पार कराने के लिए हर व्यक्ति से लिया 20 हजार

नागपुर। अवैध तरीके से भारत में आए 15 बांग्लादेशी नागरिकों को नागपुर रेलवे स्टेशन पर पकड़ा गया। ये लोग गुजरात के रास्ते बांग्लादेश से भारत में आए थे। भारत में अवैध तरीके से घुसपैठ कराने के लिए हर नागरिक से 20 हजार रुपए लिया गया था। आरोपियों को यह नहीं मालूम कि बांग्लादेश का बॉर्डर पार कराने वाले लोग कौन थे। 15 लोगों के इस समूह में कुछ बच्चे भी हैं, जो मजदूरी की तलाश में भारत आए हैं। अपराध शाखा पुलिस के उपायुक्त चिन्मय पंडित का कहना है कि पुलिस फिलहाल तकनीकी विशेलेषण पर गौर कर रही है। इसके बाद जल्द ही क्राइम ब्रांच की टीम को शहर से बाहर भेजा जाएगा।

फेक आईडी का सहारा

पुलिस कहना है कि इस कार्य में कोई अंतरराज्यीय गिरोह काम कर रहा है, जो इनसे पैसे लेकर बॉर्डर पार कराने का काम कर रहा है। इन नागरिकों की फेक आईडी बनाकर भारत में भेजा जा रहा है। इस दिशा में भी पुलिस की छानबीन शुरू है। बांग्लादेश से भारत में देह व्यापार के लिए महिलाएं और युवतियां भेजी जा रही हैं। इस बात का भी खुलासा हुआ है। पकड़ी गई दो युवतियां देह व्यापार में लिप्त पाई गई हैं।

गृह मंत्री के निर्देश-दूसरे राज्यों से महाराष्ट्र में गुटखा आने से रोकने सीमा पर करें सख्त जांच

मुंबई। दूसरे राज्यों से महाराष्ट्र में आने वाले गुटखे को रोकने के लिए राज्य की सीमा पर सख्त जांच करें। साथ ही अवैध गुटखा परिवहन और बिक्री करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएं। प्रदेश के गृह मंत्री दिलीप वलसे-पाटील ने यह निर्देश दिए हैं। गुरुवार को गृहमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रालय में गुटखा, पानमसाला, सुगंधित तंबाखू, सुपारी, खर्रा, मावा जैसे प्रतिबंधित अन्य पदार्थों के उत्पादन और बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के संबंध में बैठक हुई। गृह मंत्री ने कहा कि दूसरे राज्यों से महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर गुटखा अवैध तरीके से लाकर उसका वितरण और बिक्री की जाती है। इसको रोकने के लिए खाद्य व औषधि प्रशासन और पोलिस विभाग संयुक्त रूप से अभियान चलाए। उन्होंने कहा कि पुलिस मशीनरी इन खाद्य पदार्थों का उत्पादन, बिक्री, भंडारण, वितरण और परिवहन करने वालों के खिलाफ अधिक सतर्क रहकर प्रभावी रूप से कार्रवाई करें।

एमएमआरडीए को नहीं मिल रहे ट्रैफिक वॉर्डन, मेट्रो निर्माण कार्य के चलते यातायात हो रहा है प्रभावित

मुंबई, मेट्रो निर्माण कार्य की वजह से होने वाले ट्रैफिक की समस्या को कम करने के लिए प्रशासन को ट्रैफिक वॉर्डन नहीं मिल पा रहे हैं। वॉर्डन की नियुक्ति करने वाले ठेकेदार नहीं मिलने की वजह से मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) का इंतजार लंबा हो गया है। ठेकेदार नहीं मिलने के कारण प्राधिकरण को नियुक्ति के लिए जारी टेंडर की अवधि को दो सप्ताह के लिए बढ़ाना पड़ा है।

मुंबई समेत आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों के भविष्य का सफर आसान बनाने के लिए विभिन्न मेट्रो परियोजनाओं का काम जारी है। भविष्य की दिक्कतों से निपटने के लिए चल रही परियोजनाएं मौजूदा समय में वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबक बनी हुई हैं। सड़क पर लगे बैरिकेड के कारण लोगों को कई स्थानों पर ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है। बैरिकेड

एम एम आर डी ए
MMRDA

की वजह से कुछ स्थानों पर चार लेन की सड़क एक लेन जैसी दिखने लगी है।

योजना पर खर्च किए जाएंगे 7 करोड़ रुपये

इन समस्याओं को कम करने के लिए एमएमआरडीए ने ट्रैफिक वॉर्डन की नियुक्त करने का निर्णय लिया है। प्राधिकरण ने इस काम के लिए करीब 7 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है। ट्रैफिक वॉर्डन की नियुक्ति एजेंसी द्वारा होने थी। इसके लिए टेंडर भी जारी किया था। एमएमआरडीए के एक अधिकारी के अनुसार, मेट्रो के कुछ मार्गों पर निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

वहां से बैरिकेड भी हटा लिए गए हैं, वहां पर अब ट्रैफिक वॉर्डन की जरूरत नहीं है, इस वजह से टेंडर की अवधि बढाई गई है।

बता दें कि ट्रैफिक वॉर्डन को ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस की मदद करना था। मेट्रो साइट के करीब लगने वाले ट्रैफिक जाम को कम किया जा सके, इसके लिए बैरिकेड लगाए गए थे।

ट्रैफिक वॉर्डन के नहीं होने की वजह से एलबीएस मार्ग, जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे, भिवंडी में कुछ किमी की दूरी तय करने में घंटों का समय लगता है। मुंबई मेट्रो 7, मेट्रो 4, मेट्रो 2ए, मेट्रो 6 और मेट्रो 5 व अन्य प्रॉजेक्ट का काम चल रहा है।

मेट्रो की वजह से लगे बैरिकेड के कारण पीक ऑवर्स में लोगों का कई घंटों का समय ट्रैफिक में फंस जाने की वजह से बर्बाद हो जाता है।

होगी सख्त कार्रवाई : वेतन वृद्धि के बाद भी एसटी कर्मचारियों की हड़ताल कायम

मुंबई। प्रदेश सरकार के वेतन बढ़ोतरी के फैसले के बाद भी एसटी कर्मचारी हड़ताल पर अड़े हुए हैं। गुरुवार को एसटी कर्मचारियों ने मुंबई के आजाद मैदान समेत राज्य के अलग-अलग एसटी के डिपो में हड़ताल जारी रखी। एसटी के 82 हजार 561 हड़ताल में शामिल रहे। जबकि 9 हजार 705 कर्मचारियों ने सेवाएं दी। हड़ताल में शामिल एसटी के कर्मचारियों ने कहा कि जब तक सरकार एसटी महामंडल का राज्य सरकार में विलय नहीं करती है तब तक लड़ाई जारी रहेगी। वहीं आजाद मैदान में बीते 16 दिनों से जारी आंदोलन को समर्थन देने वाले भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर और रयत क्रांति संगठन के अध्यक्ष सदाभाऊ खोत ने अस्थायी रूप से हड़ताल को वापस ले ली है। दोनों नेताओं ने कहा कि सरकार ने वेतन वृद्धि की घोषणा की है इसलिए हम आंदोलन से दो कदम पीछे खींच रहे हैं। यदि कर्मचारी आंदोलन जारी रखना चाहते हैं तो वह आंदोलन को कामय रख सकते हैं। पडलकर और खोत के हटने के बाद भी एसटी कर्मचारी हड़ताल के लिए बैठे हुए हैं। आंदोलन में शामिल कर्मचारियों से एसटी कर्मचारी संगठन के अधिवक्ता गुणरत्न सदावरते से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का आंदोलन जारी रहेगा। कोल्हापुर के डिपो में कर्मचारियों ने एसटी महामंडल के विलीनीकरण के फैसले होने तक काम पर न लौटने की सामूहिक शपथ ली। जबकि भंडारा के साखोली, नाशिक, सागंली, रायगड, ठाणे, पुणे, सातारा, पालघर, रत्नागिरी, कोल्हापुर के कुछ डिपो में एसटी बसों का परिचालन हुआ। इस बीच प्रदेश के परिवहन मंत्री तथा एसटी महामंडल के अध्यक्ष अनिल परब ने कहा कि वेतन बढ़ोतरी के बाद भी जो कर्मचारी हड़ताल में शामिल होंगे उन्हें एसटी प्रशासन की सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। परब ने कहा कि शुक्रवार सुबह जो निलंबित कर्मचारी काम पर लौटेंगे उनका निलंबन वापस ले लिया जाएगा

कैबिनेट की बैठक-अस्पताल से ऑनलाइन शामिल हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

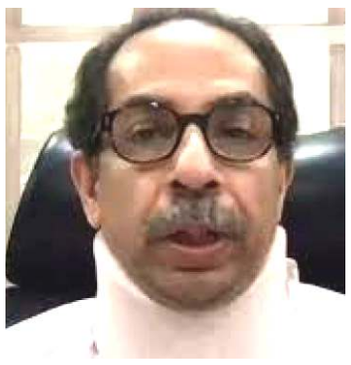

मुंबई। अस्पताल में इलाज करा रहे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे गुरुवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए। मुख्यमंत्री एच एन रियालंस अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कैबिनेट की बैठक में हिस्सा लिया। राज्य अतिथिगृह सह्याद्री में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में सबसे पहले उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सभी मंत्रियों की ओर से मुख्यमंत्री को बेहतर स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं दी। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने अपनी भावना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के बाद डॉक्टरों की देखरेख में फिजियोथेरेपी ठीक तरीके से जारी है। उन्होंने कहा कि मेरी बीमारी के दौरान मंत्रिमंडल से मिल रहे सहयोग के लिए सभी का दिल से धन्यवाद व्यक्त करता हूं।

हाईकोर्ट : तीन साल की बच्ची के साथ रेप के बाद हत्या करनेवाले आरोपी की फांसी बरकरार

मुंबई। बांबे हाईकोर्ट ने तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या करने के मामले में दोषी पाए 30 साल के आरोपी की फांसी की सजा को कायम रखा है। कोर्ट ने आरोपी रामकिरत गौड के कृत्य के भीषण व बर्बर करार देते हुए कहा कि समाज में लड़कियों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। पाक्सो कोर्ट ने आरोपी गौड को मार्च 2019 में फांसी की सजा सुनाई थी। जिसे न्यायमूर्ति साधना जाधव व न्यायमूर्ति पीके चव्हाण ने कायम रखा है।खंडपीठ ने फैसले में आरोपी के कृत्य को जघन्य मानते हुए कहा है कि यह मामला विरलत मामलों की श्रेणी में आता है। खंडपीठ ने कहा कि आरोपी की खुद की दो बेटिया और एक बेटा है। ऐसे में आरोपी ने जिस क्रूरता से अपने कुत्ते के साथ खेल रही तीन साल की बच्ची की हत्या की है वह अकल्पनीय है। और आरोपी को अपने कृत्य को लेकर कोई पश्चाताप भी नहीं है।

ठाणे के एक इमारत में चौकीदार के रुप में काम करनेवाला गौड़ उसी इलाके में रहता था। जहां बच्ची रहती थी। सितंबर 2013 में आरोपी ने पहले बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था। और फिर उसके शव को दलदल में फेक दिया था। इस पर खंडपीठ ने अपने फैसले में लिखा है कि ऐसे लगता है जैसे कीचड़ में फूल खिलने से पहले ही उसे मसल दिया गया हो और जब पतंग उडने को थी तो उसे फांड दिया गया हो। खंडपीठ ने कहा कि बच्ची की पोस्टमार्टम रिपोर्ट दर्शाती है कि आरोपी ने बच्ची पर भीषण बर्बता बरती गई थी। यह बाते कहते हुए खंडपीठ ने आरोपी को सुनाई गई फांसी की सजा को कायम रखा। और बच्ची के पिता को नियमानुसार मुआवजा देने का भी निर्देश दिया।

स्टार्टअप विफल क्यों होता है?

हम में से कई लोगों के लिए व्यवसाय में जाना अंतिम सपना होता है। हम रचनात्मक नियंत्रण, लचीले घंटे और एक उद्यमी होने के साथ आने वाली स्वतंत्रता की लालसा रखते हैं। लेकिन पर्दे के पीछे बहुत सारे काम शामिल हैं, और एक उद्यमी बनने का अधिकांश हिस्सा योजना, रणनीति और फिर समर्पित निष्पादन के बारे में है।

लेकिन हर उद्यमी जो सफल होता है, उसके लिए कई अन्य असफल भी होते हैं। 2020 इन्वेस्टोपेडिया लेख के अनुसार, 20% व्यवसाय अपने पहले 2 वर्षों के दौरान इसे नहीं बना पाएंगे, जबकि 45% पहले 5 वर्षों के भीतर विफल हो सकते हैं। 2014 के फॉर्च्यून पत्रिका के लेख के अनुसार, दस में से नौ स्टार्टअप अंततः विफल हो जाएंगे। वे संख्याएं डराने वाली लग सकती हैं, फिर भी इसका मतलब यह नहीं है कि आपको अपने करियर के लिए उद्यमिता पर विचार नहीं करना चाहिए।

एक दूरदृष्टि और एक अच्छे विचार के बावजूद ये स्टार्टअप विफल क्यों हो जाते हैं?

बाजार की समस्याएं।

कंपनियां विफल होने का एक प्रमुख कारण यह है कि वे अपने द्वारा बनाए गए उत्पाद के लिए कम या कोई बाजार नहीं होने की समस्या में भाग लेते हैं। खरीदार को वास्तव में खरीदारी करने के लिए प्रेरित करने के लिए कोई आकर्षक पर्याप्त मूल्य प्रस्ताव या सम्मोहक घटना नहीं है। अच्छे बिक्री प्रतिनिधि आपको बताएंगे कि आज की कठिन परिस्थितियों में ऑर्डर प्राप्त करने के लिए, आपको ऐसे खरीदारों को ढूंढना होगा जिनके "बालों में आग लगी हो"।

बिजनेस मॉडल की विफलता।

स्टार्टअप की दुनिया में विफलता का सबसे आम कारण यह है कि उद्यमी इस बात को लेकर बहुत आशावादी होते हैं कि ग्राहकों को हासिल करना कितना आसान होगा। वे मानते हैं कि क्योंकि वे एक दिलचस्प वेब साइट, उत्पाद या सेवा का निर्माण करेंगे, जिससे ग्राहक उनके दरवाजे तक पहुंच जाएंगे। यह पहले कुछ ग्राहकों के साथ हो सकता है, लेकिन उसके बाद, ग्राहकों को आकर्षित करने और जीतने के लिए यह तेजी से एक महंगा काम बन जाता है, और कई मामलों में ग्राहक (सीएसी) प्राप्त करने की लागत वास्तव में उस ग्राहक के आजीवन मूल्य (एलटीवी) से अधिक होती है।

खराब प्रबंधन टीम।

एक अविश्वसनीय रूप से सामान्य समस्या जिसके कारण स्टार्टअप विफल हो जाते हैं वह एक कमजोर प्रबंधन टीम है। कारण 2, 4 और 5 से बचने के लिए एक अच्छी प्रबंधन टीम काफी स्मार्ट होगी। कमजोर प्रबंधन दल कई क्षेत्रों में गलतियाँ करते हैं।

वे अक्सर रणनीति पर कमजोर होते हैं, ऐसे उत्पाद का निर्माण करते हैं जिसे कोई खरीदना नहीं चाहता क्योंकि वे विकास से पहले और उसके दौरान विचारों को मान्य करने के लिए पर्याप्त काम करने में विफल रहे। यह गो-टू-मार्केट रणनीतियों के माध्यम से खराब सोच को आगे बढ़ा सकता है। वे आमतौर पर निष्पादन में खराब होते हैं, जो उत्पाद के सही ढंग से या समय पर निर्मित नहीं होने के मुद्दों की ओर जाता है, और बाजार में जाने का निष्पादन खराब तरीके से लागू किया जाएगा।

धन की कमी चल रही है।

स्टार्टअप के विफल होने का चौथा प्रमुख कारण यह है कि उनके पास नकदी की कमी हो गई है। सीईओ का एक प्रमुख काम यह समझना है कि कितनी नकदी बची है और क्या यह कंपनी को एक ऐसे मील के पत्थर तक ले जाएगी जिससे एक सफल वित्तपोषण हो सकता है, या नकदी प्रवाह सकारात्मक हो सकता है।

स्टार्टअप का मूल्यांकन समय के साथ रैखिक रूप से नहीं बदलता है। सिर्फ इसलिए कि आपको अपना सीरीज ए राउंड उठाए हुए बारह महीने हो गए थे, इसका मतलब यह नहीं है कि अब आप अधिक पैसे के लायक हैं। मूल्यांकन में वृद्धि तक पहुँचने के लिए, एक कंपनी को कुछ प्रमुख मील के पत्थर हासिल करने होंगे।

उत्पाद समस्याएं।

कंपनियों के विफल होने का एक और कारण यह है कि वे बाजार की जरूरत को पूरा करने वाले उत्पाद को विकसित करने में विफल रहते हैं। यह या तो सरल निष्पादन के कारण हो सकता है। या यह कहीं अधिक रणनीतिक समस्या हो सकती है, जो उत्पाद/बाजार में फिट होने में विफलता है।

ज्यादातर समय पहला उत्पाद जो एक स्टार्टअप बाजार में लाता है वह बाजार की जरूरत को पूरा नहीं करता है। सर्वोत्तम मामलों में, उत्पाद/बाजार को ठीक करने के लिए कुछ संशोधन करने होंगे। सबसे खराब मामलों में, उत्पाद आधार से दूर हो जाएगा, और एक पूर्ण पुन: विचार की आवश्यकता है। यदि ऐसा होता है तो यह उस टीम का एक स्पष्ट संकेत है जिसने विकास से पहले और उसके दौरान ग्राहकों के साथ अपने विचारों को बाहर निकालने और मान्य करने के लिए काम नहीं किया।

बड़ा सवाल-क्या वैक्सीन की दोनों डोज संक्रमण से सुरक्षा की गारंटी हैं? अध्ययन में सामने आई यह बात

दुनिया के तमाम देशों में कोरोना संक्रमण का खतरा एक बार फिर से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। हाल ही में सामने आए कोरोना के कुछ नए वैरिएंट्स ने वैज्ञानिकों की चिंता और भी बढ़ा दी है। अब तक के तमाम अध्ययनों में दावा किया जाता रहा है कि वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके लोगों को संक्रमण का जोखिम काफी कम होता है, हालांकि हालिया अध्ययन ने इस दावे पर सवालिया निशान लगा दिया है। बीएमजे मेडिकल जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि फाइजर-बायोएनटेक वैक्सीन की दूसरी खुराक प्राप्त करने के 90 दिनों के बाद से लोगों में कोरोना संक्रमण का खतरा धीरे-धीरे बढ़ जाता है।हाल ही में कोरोना के सामने आए नए वैरिएंट्स में कई ऐसे म्यूटेशनों के बारे में पता चला है जो वैक्सीन से शरीर में बनी एंटीबॉडीज को आसानी से चकमा देने में सफल हो सकते हैं। इस बीच इस अध्ययन में सामने आए परिणाम ने वैज्ञानिकों को बड़ी चिंता में डाल दिया है। अब सवाल खड़े होने लगे हैं कि क्या वास्तव में वैक्सीनेटेड लोगों को कोरोना से सुरक्षित माना जा सकता है? आइए आगे की स्लाइडों में इस अध्ययन के बारे में विस्तार से जानते हैं।

समय के साथ कम होता जाता है टीके का असरइज़राइल स्थित रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ल्यूमिट हेल्थ सर्विसेज द्वारा किए गए इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि शरीर में वैक्सीनेशन से बनी कोरोना के खिलाफ सुरक्षा समय के साथ कम हो जाती है। ऐसे में

वैज्ञानिकों का कहना है कि लोगों को बूस्टर डोज यानी कि वैक्सीन की तीसरी खुराक देने की आवश्यकता हो सकती है। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया है कि वैसे तो फाइजर वैक्सीन टीकाकरण के बाद शुरुआती हफ्तों में उत्कृष्ट सुरक्षा प्रदान करती है, लेकिन समय के साथ कुछ व्यक्तियों में इसका असर कम होता जाता है।

अध्ययन में क्या पता चला?अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 44 साल की औसत आयु वाले 80057 लोगों के इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड का अध्ययन किया। इन लोगों का फाइजर वैक्सीन की दूसरी डोज लेने के तीन सप्ताह बाद पीसीआर टेस्ट कराया गया था। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि 80057 में से 7973 (करीब 9.6 फीसदी) लोगों का पीसीआर टेस्ट परिणाम सकारात्मक पाया गया। यानी कि वैक्सीन की दूसरी खुराक लेने के महज तीन सप्ताह के बाद ही इन लोगों को कोरोना से संक्रमित पाया गया।

बढ़ता जाता है संक्रमण का जोखिमशोधकर्ताओं ने दूसरी खुराक के शुरुआती 90 दिनों की तुलना में, सभी आयु वर्ग के लोगों में संक्रमण के खतरे को जानने के लिए अध्ययन किया। इसमें पाया गया कि दूसरी खुराक के 90-119 दिनों के बाद संक्रमण का खतरा 2.37 गुना, 120-149 दिनों के बाद 2.66 गुना, 150-179 दिनों के बाद 2.82 गुना अधिक हो सकता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि उनके निष्कर्षों की व्याख्या अवलोकन संबंधी डिजाइन द्वारा सीमित है, हालांकि इसे ध्यान में रखकर आगे के बारे में विचार जरूर किया जाना चाहिए। क्या है अध्ययन का निष्कर्ष?अध्ययन के निष्कर्ष में शोधकर्ताओं का कहना है कि हम इस बात से इंकार नहीं कर सकते हैं टीकाकरण के बाद संक्रमण के कई कारक हो सकते हैं, हालांकि इस बात को जरूर ध्यान में रखा जाना चाहिए कि वैक्सीनों की शक्ति समय के साथ कम होती जाती है। यह अध्ययन फाइजर वैक्सीन लेने वाले लोगों पर किया गया था, इसी तरह से अन्य कंपनियों के टीके लेने वाले लोगों पर भी अध्ययन करके परिणाम जानने आवश्यक हो जाते हैं। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के निष्कर्ष में वैक्सीन की तीसरी खुराक यानी बूस्टर डोज की जरूरतों पर एक बार फिर से जोर दिया है।

ठंड से बचने के लिए रोज कीजिए इन चीजों का सेवन, शरीर को मिलेगी अंदरुनी गर्मी

सर्दियों में कीजिए अदरक का सेवनअदरक हर घर में मौजूद सबसे बेहतरीन औषधियों में से एक है। चाय से लेकर भोजन के स्वाद बढ़ाने तक के लिए अदरक का उपयोग किया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक अदरक न केवल सर्दियों के दौरान शरीर को गर्म रखता है, बल्कि इसमें एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण भी होते हैं जो पाचन को ठीक रखने के साथ कई तरह के संक्रमण के खतरे को कम कर सकते हैं।

अंडे खाना बहुत फायदेमंदअंडों को प्रोटीन का सबसे बेहतरीन स्रोत माना जाता है। रोजाना अंडे का सेवन करके प्रोटीन की दैनिक आवश्यकताओं की आसानी से पूर्ति की जा सकता है। सर्दियों के दौरान शरीर को गर्म रखने के लिए नाश्ते में अंडे को शामिल करना बेहतर विकल्प माना जाता है। कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करते हुए हृदय रोग के खतरे से बचाने और आंखों के लिए भी अंडे का सेवन लाभदायक माना जाता है।

सूप का करिए सेवनसर्दियों के मौसम में सूप का सेवन सबसे बेहतरीन पेय में से एक माना जाता है। सूप में कई प्रकार की सब्जियों को मिलाया जाता है जो सेहत के लिए लाभदायक होती हैं। इसके अलावा चिकन शोरबा जैसे सूप भी काफी लाभदायक माने जाते हैं। यह न सिर्फ आपको अंदरूनी गर्मी प्राप्त करने में मदद करत हैं साथ ही शरीर को कई प्रकार की पोषकता भी प्रदान कर सकते हैं।

गर्म दूध है बेहद फायदेमंदवैसे तो दूध का सेवन रोज करना चाहिए, हालांकि सर्दियों के मौसम में गर्म दूध पीना और भी फायदेमंद माना जाता है। दूध में विटामिन बी-12 और विटामिन ए, प्रोटीन और कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में सहायक है। सर्दी के मौसम में गर्म दूध पीने से आप बीमार पड़ने से बच सकते हैं, साथ ही दूध का सेवन करना आपके हड्डियों और संपूर्ण शरीर के लिए अत्यंत फायदेमंद हो सकता है।

योग-आंखों के दर्द और थकान से मिलेगी राहत, इन तीन अभ्यास को दिनचर्या में जरुर करें शामिल

क्या आपको भी लंबे समय तक कंप्यूटर या स्मार्टफोन के इस्तेमाल के बाद आंखों में दर्द और जलन जैसा अनुभव होता है? यदि हां, तो आप अकेले नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों में लोगों का ज्यादा से ज्यादा समय तमाम तरह के गैजेट्स के इस्तेमाल पर बीतता जा रहा है। वहीं कोरोना के इस दौर में लॉकडाउन और वर्क फ्रॉम होम ने लोगों का स्क्रीन टाइम पहले से और अधिक बढ़ा दिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे आंखों की सेहत के लिए बहुत ही नुकसानदायक मानते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक बढ़े हुए स्क्रीन टाइम का हर एक घंटा

हमारी आंखों की मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव डालता है। यही कारण है कि कम उम्र में ही लोग धुंधली दृष्टि, आंखों में खुजली, पानी आने और सिरदर्द जैसे समस्याओं के शिकार होते जा रहे हैं।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक दैनिक जीवन में योग को शामिल करके आंखों से संबंधित तमाम तरह की परेशानियों को न सिर्फ दूर किया जा सकता है, साथ ही आंखों की रोशनी बढ़ाने में भी यह योगासन काफी मददगार हो सकते हैं। आइए ऐसे ही कुछ योगासनों के बारे में जानते हैं।

आंखों को स्वस्थ बनाए रखने और रोशनी बढ़ाने के लिए चक्रासन योग का नियमित अभ्यास करना काफी फायदेमंद हो सकता है।

यह आंखों से संबधित तमाम प्रकार की समस्याओं को कम करने के साथ मस्तिष्क को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी बेहतर योगाभ्यास हो सकता है। आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए समय समय पर पलकों को झपकाते रहना काफी फायदेमंद हो सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : नवंबर माह के अंतिम सप्ताह की शुरुआत किसी महत्वपूर्ण और शुभ समाचार से होगी। कोई ऐसा कार्य होगा जिसके लिए आप लंबे समय से प्रतीक्षारत हैं। आर्थिक मामलों के लिए सप्ताह बेहतर रहेगा। उधार दिया हुआ पैसा भी आने की उम्मीद है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा और सम्मान मिलेगा।

वृषभ : सप्ताह सामान्य बीतेगा। इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में संबंधों का लाभ उठाने का प्रयास करें। यदि कोई निर्णय लेने में परेशानी हो तो परिवार के अनुभवी और वरिष्ठजनों की मदद लें। पारिवारिक जीवन में शांति रहेगी। नया काम शुरू करने के लिए समय शुभ है। स्वास्थ्य थोड़ा बिगड़ सकता है। आर्थिक स्थिति सुखद रहेगी। कर्ज चुकाने में सफल होंगे।

मिथुन : इस सप्ताह आपको बौद्धिक कार्यों और लेखन में सफलता मिलेगी। सही समय पर सही निर्णय लेने से सारे काम व्यवस्थित तरीके से पूरे हो जाएंगे। बिजनेस और जॉब से संबंधित समस्याओं का निपटारा होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य में जीवनसाथी का विचार महत्वपूर्ण होगा। आर्थिक तरक्की की राह पर बढ़ेंगे।

कर्क : इस सप्ताह मानसिक शांति मिलेगी। लंबे समय से चली आ रही परेशानियां कम होंगी। स्वयं या किसी स्वजन के स्वास्थ्य को लेकर परेशान चल रहे हैं तो इस सप्ताह वह परेशानी दूर होगी। शेयर मार्केट में निवेश करते समय सतर्क रहें। नौकरीपेशा लोगों को भागदौड़ रहेगी। पारिवारिक जीवन में कुछ राहत रहेगी।

सिंह : अधूरे कार्यों को पूरा करने का समय आ गया है। जिस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं वह पूरा होने का समय आ गया है। नया बिजनेस या जॉब शुरू करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। आर्थिक समस्याओं का निदान मिल जाएगा। कर्ज में कमी आएगी। पारिवारिक जीवन में बेहतरी के संकेत हैं। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

कन्या : भाई-बहनों से पैतृक संपत्ति संबंधी कार्यों पर विमर्श होगा और उसका निपटारा होगा। स्वयं की भूमि, संपत्ति खरीद सकते हैं। नए में नए वाहन का आगमन हो सकता है। नौकरीपेशा लोग कार्य में परिवर्तन करेंगे। पैसा आएगा लेकिन खर्च की अधिकता भी रह सकती है। किसी विशेष पारिवारिक कार्य में सहयोग करना होगा।

तुला : इस सप्ताह आपके भौतिक सुख-साधनों में वृद्धि होगी। महिला वर्ग को वस्त्राभूषण उपहार के रूप में मिल सकते हैं। आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग पर कोई गुरु मिल सकता है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी के सहयोग से योजनाओं को साकार करने में कामयाब होंगे। आर्थिक मजबूती मिलेगी।

वृश्चिक : इस सप्ताह अपने संबंधों को लेकर सतर्क रहें। क्रोध और खराब वाणी से रिश्ते खराब कर लेंगे। इस सप्ताह आर्थिक मामले उलझेंगे लेकिन अपनी चतुराई से उनसे बच निकलेंगे। कारोबार और नौकरी से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी लेकिन पूरी तरह राहत नहीं मिल सकेगी। स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है।

धनु : सप्ताह शुभ है। सोचे हुए सभी कार्य इस सप्ताह पूरे होने की स्थिति बनेगी। कारोबार में जो ठहराव था वह दूर हो जाएगा। नए कार्य अपने साथ जुड़ेंगे। नौकरीपेशा लोगों का स्थानांतरण होगा। किसी विशेष कार्य से आपको यात्राएं करना पड़ेंगी। पारिवारिक जीवन में मांगलिक प्रसंग आएगा। आर्थिक मजबूती के साथ वह सब कर पाएंगे ।

मकर : कार्य-व्यवसाय-जॉब में लगातार उन्नति के योग बन रहे हैं। यदि आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं तो समय उत्तम है। कारोबार को नई सोच के साथ विस्तार देने का प्रयास करें, सफल होंगे। संपत्ति संबंधी विवादों में जीत हासिल करेंगे। जीवनसाथी के साथ सुखद समय बिताएंगे। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। पारिवारिक स्थिति बेहतर रहेगी।

कुंभ : इस सप्ताह परिवार और खासकर संतान की ओर ध्यान दें। संतानपक्ष और जीवनसाथी के कार्यों में सहयोग करें। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना होगा। जीर्ण रोगों से ग्रस्त लोग सतर्क रहें। कोई काम अटक जाने से मानसिक तनाव होगा। कार्य व्यवसाय पर फोकस नहीं कर पाएंगे। आर्थिक योजनाएं इस सप्ताह ठप रहेंगी।

मीन : परिवार में कोई मांगलिक और शुभ काम होगा। स्वयं के भूमि, संपत्ति, वाहन खरीदने का योग बनेगा। पारिवारिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। बिजनेस को विस्तार देने की योजना पर अमल करें। जीवनसाथी के साथ प्रेम में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। प्रेमी-प्रेमिका सुखद समय साथ बिताएंगे। मित्रों के साथ पर्यटन पर जाएंगे।

चुटकुले

पति- अरे उठो सुबह हो गई,
पत्नी ने कहा- सुना न, आंखें नहीं खुल रही हैं, ऐसा
कुछ बोलो कि नींद उड़ जाए।
पति- कल जिस बेबी से चैट कर रही थी, वो मेरी दूसरी ID है,
अब बेचारी पत्नी को 5 दिन से नींद नहीं आ रही है।

पत्नी- अगर मैं मर गई तो?
गोलू- ऐसा मत कहो बेबी।
पत्नी- सुनो जी, अगर मैं इस दुनिया से चली गई तो तो क्या तुम तुरंत शादी कर लोगे?
गोलू- अरे पागल हो क्या, तुरंत कौन करता है, 6-7 महीने तो रुकना पड़ेगा नहीं तो लोग क्या कहेंगे?

कर्नाटक मेडिकल कॉलेज में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा अब तक 182

कर्नाटक के धारवाड़ में एक मेडिकल कॉलेज में कोरोना से संक्रमित स्टूडेंट और टीचर्स का आंकड़ा 66 से बढ़कर 182 हो गया है। कॉलेज में हाल ही में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया था, जिसके बाद कोरोना का आउटब्रेक हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, संक्रमित हुए लोगों में से अधिकतर को कोरोना के खिलाफ वैक्सीन के दोनों डोज लग चुके थेपार्टी के बाद कोरोना फैलने की आशंका से कॉलेज के 300 से ज्यादा छात्रों और टीचर्स का टेस्ट किया गया था। गुरुवार को रिजल्ट में 66 छात्र और शिक्षक पॉजिटिव पाए गए थे। ये सभी फुली वैक्सीनेटिड थे। आज और भी लोगों का टेस्ट किया जाएगा।

तेलंगाना के करीमनगर में सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत

तेलंगाना के करीमनगर में एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। हादसा सुबह के चार बजे हुआ। करीमनगर की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार कार मनाकॉन्डुर में पुलिस स्टेशन के पास पेड़ से टकरा गई। उसमें सवार ड्राइवर समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल हुए एक व्यक्ति को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है। उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

कोरोना के नए वेरिएंट के डर से सेंसेक्स एक हजार और निफ्टी 300 पॉइंट टूटा

कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। सुबह 9.59 बजे बीएसई सेंसेक्स 1048 अंक या 1.78% की गिरावट के साथ 57,747 के लेवल पर आ गया। वहीं निफ्टी 316 अंक या 1.80% गिरकर 17,220 पर पहुंच गया। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कोविड-19 के नए वेरिएंट के आने से इकोनॉमी की रिकवरी प्रभावित हो सकती है। इस डर से मार्केट पर असर पड़ा है। फार्मा के अलावा बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट है। सबसे ज्यादा गिरावट रियल्टी, मीडिया और बैंकिंग स्टॉक्स में देखी जा रही है। सेंसेक्स के 30 में से 26 शेयर लाल निशान में है। बढ़त वाले शेयरों में डॉ. रेड्डी, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले हैं। सबसे ज्यादा गिरावट बजाज फिनसर्व, मारूती, टाइटन और कोटक महिंद्रा बैंक में देखने को मिल रही है।

मलयालम सिनेमा के गीतकार बिचू थिरुमाला का 80 साल की उम्र में निधन

मलयालम सिनेमा के दिग्गज गीतकार बिचू थिरुमाला का शुक्रवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे 80 साल के थे। वे लंबे समय से कई रोगों से जूझ रहे थे और बीते कुछ दिनों से वेंटिलेटर पर थे। तीन दशक लंबे अपने करियर उन्होंने करीब 3000 फिल्मी गीत और 2000 भक्ति गीत लिखे।

संविधान दिवस के कार्यक्रम का 14 विपक्षी पार्टियों ने बहिष्कार किया

आज 72वां संविधान दिवस है। इस मौके पर संसद के केंद्रीय हॉल में कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इससे पहले ही देश की 14 विपक्षी पार्टियों ने संसद के संविधान दिवस के कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया। इनमें शिव सेना, NCP, समाजवादी पार्टी, राजद, IUML और DMK शामिल हैं। कांग्रेस और तृणमूल ने पहले ही कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार कर दिया था। इसके बाद कांग्रेस की अपील पर बाकी पार्टियों ने भी कार्यक्रम में न पहुंचने का ऐलान कर दिया।

मायावती ने कहा- केंद्र को संविधान दिवस मनाने का हक नहीं

आज 72वां संविधान दिवस है। इस मौके पर संसद के केंद्रीय हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने इस मौके पर केंद्र सरकार पर हमला बोला। BSP सुप्रीमो ने कहा कि अब तक निजी क्षेत्र में SC-ST को आरक्षण नहीं मिल रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार को संविधान दिवस मनाने का हक नहीं है। मायावती ने किसान आंदोलन को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसानों की मांगें बहुत लंबे वक्त तक नहीं मानी गईं यही वजह है कि वे अब भी आंदोलन कर रहे हैं।

मिजोरम के थेंजॉल में 6.1 तीव्रता का भूकंप; कोलकाता-बांग्लादेश में भी झटके

मिजोरम राज्य के थेंजॉल शहर में शुक्रवार सुबह 5.15 पर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई। भूकंप के झटके त्रिपुरा, मणिपुर, असम के साथ पश्चिम बंगाल में कोलकाता और बांग्लादेश के चिट्टागांव में भी महसूस किए गए। यूरोपियन-मेडिटेरेनियन सीसमोलॉजिकल सेंटर (EMSC) ने अपनी वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी। थेंजॉल के एक शख्स ने इस वेबसाइट पर लिखा कि सबसे लंबे भूकंप के झटकों में से एक था। 20 नवंबर को गुवाहाटी और असम के अन्य हिस्सों में 4.1 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप दिन में 1.12 बजे आया था। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे पाया गया था।

जम्मू-कश्मीर में सेना ने पाकिस्तानी आतंकी को ढेर किया

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में भीम गली में बीती रात को सेना ने एक पाकिस्तानी आतंकी को मार गिराया। आतंकी के पास से हथियार और गोली-बारूद बरामद हुआ है। सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने बताया कि ऑपरेशन अभी जारी है।

टीकरी बॉर्डर पर किसानों की महापंचायत में पंजाब और हरियाणा से हजारों किसान शामिल होंगे

किसान आंदोलन के एक साल पूरे होने पर आज टीकरी बॉर्डर पर बड़ी संख्या में किसान इकट्ठा होंगे। यहां से कुछ दूरी पर सेक्टर-13 में भारतीय किसान यूनियन एकता (उग्राहां) की तरफ से 7 एकड़ में बड़ी महापंचायत करने का निर्णय लिया गया है। महापंचायत में संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) के तमाम बड़े नेताओं को बुलाया गया है।

केंद्र से मदद की गुहार-गुजरात सरकार ने 6 और जगह सी-प्लेन की सेवा शुरु करने एवं दो नए प्लेन खरीदने के लिए मांगे 120 करोड़ रुपए

अहमदाबाद के रिवरफ्रंट से केवडिया तक सी-प्लेन सर्विस शुरू होने के अभी तक कोई आसार नहीं ऐसे में राज्य सरकार ने कुल 6 स्थानों पर सी-प्लेन सेवा शुरू करने तथा गुजरात को दो सी-प्लेन उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार से गुहार लगाई है। साबरमती रिवरफ्रंट से स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की सी-प्लेन सेवा तुरंत असर से शुरू हो इसके लिए सी-प्लेन की मांग भी की गई है।

राज्य के नागरिक उड्डयन मंत्री पूर्णेश मोदी ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार गुजरात में अहमदाबाद रिवरफ्रंट, केवडिया, पालिताना के पास शेत्रुंजी डैम, सापुतारा लेक, महेसाणा घरोई डैम और सूरत के उकाई डैम जैसे स्थलों पर सी-प्लेन सुविधा के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य में सर्वप्रथम सी-प्लेन सुविधा अहमदाबाद रिवरफ्रंट से शुरू की गई थी, लेकिन सी-प्लेन मरम्मत के लिए जाने के बाद अभी गुजरात में सी-प्लेन नहीं है।

सरकार बदलने के बाद फिर से की गई मांग राज्य की तत्कालीन रुपाणी सरकार में सिविल एविएशन विभाग संभालने वाले भूपेंद्रसिंह चूड़ासमा ने केंद्र के एविएशन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को एक पत्र लिखकर गुजरात में सी-प्लेन खरीदने के लिए 120 करोड़ रुपए की मांग की थी, लेकिन सरकार में नेतृत्व परिवर्तन होने पर अब नई सरकार में फिर से मांग की जा रही है। राज्य के सिविल एविएशन मंत्री पूर्णेश मोदी ने कहा कि वे सी-प्लेन की मांग पर तुरंत असर से निर्णय लिया जाए इसके लिए प्रयास करेंगे। एयरपोर्ट एथॉरिटी ऑफ इंडिया ने बीते साल निर्णय लिया था कि गुजरात में सी-प्लेन के लिए साबरमती रिवरफ्रंट, केवडिया, घरोई डैम और तापी में वॉटर एरोड्राम बनाया जाएगा।

राज्य के अन्य शहरों को भीमिलेगा उड्डयन सेवा का लाभ उत्तर गुजरात के लोगों को अन्य शहरों के साथ उड्डयन सेवाओं का लाभ मिले इस उद्देश्य से डीसा एयर स्ट्रीप तुरंत असर से शुरू हो इसलिए जमीन अधिग्रहण के लिए केंद्र से सिफारिश की गई है। इसी तरह उड़ान प्रोजेक्ट के अंतर्गत सब्जी और फलों की निकास सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नए कोल्ड स्टोरेज निर्माण के लिए भी सिफारिश की गई है। इसके साथ ही राजकोट के ग्रीन फिल्ड एयरपोर्ट के लिए भी लोगों को सुविधा उपलब्ध हो इसलिए एवीएशन पार्क को कनेक्ट करने के लिए टैक्सी लिंक के साथ केशोद, एयरस्ट्रीप को उड़ान सेवा के अंतर्गत पार्किंग की सुविधा की समस्या का निपटारा करने के लिए भी केंद्र से सिफारिश की गई है।

बीटूबी एग्जीबिशन 27 से 29 तक-हीरा जड़ित छाता प्रदर्शित होगा, 8 हजार एग्जीबिटर्स आएंगे, कपड़ा और रेलवे राज्यमंत्री दर्शना जरदोश करेंगी उद्घाटन

हीरा और जेम एंड ज्वैलरी उद्योग को ऊंचाई पर ले जाने के लिए सूरत में पहली बार लेबग्रोन और रियल डायमंड से बनी ज्वैलरी के बीटूबी एग्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है। सरसाणा के कन्वेंशन सेंटर में 27, 28 और 29 नवंबर को एग्जीबिशन चलेगा। इसमें 200 से अधिक मैन्युफैक्चर्स और 8 हजार से अधिक एग्जीबिटर्स के आने की उम्मीद है। एग्जीबिशन में हांगकांग, लंदन जैसे देशों से भी बायर आएंगे। लेबग्रोन डायमंड और रियल डायमंड ज्वेलरी की प्रदर्शनी एक ही जगह होगी। एग्जीबिशन का उद्घाटन कपड़ा और रेलवे राज्यमंत्री दर्शनाबेन जरदोष करेंगी। सरसाणा कन्वेंशन सेंटर में एग्जीबिशन की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसमें डायमंड से बना छाता आकर्षण का मुख्य केंद्र होगा। 12 हजार हीरे से बने छाते की कीमत 20 लाख एग्जीबिशन में 12 हजार डायमंड से बने छाते को प्रदर्शित किया जाएगा। इसकी कीमत 20 लाख रुपए के करीब है। इसे असली हीरे से बनाया गया है। एग्जीबिशन में 7 स्टॉल लेबग्रोन डायमंड ज्वैलरी के होंगे। शहर में 450 डायमंड ज्वैलरी मैन्युफैक्चर्स सूरत ज्वैलरी मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन के अध्यक्ष जयंती सावलिया ने बताया कि शहर में 450 से अधिक मैन्युफैक्चर्स हैं। सूरत में पिछले 6 माह में 70 से अधिक इकाइयां शुरू हुई हैं।

वडोदरा गैंगरेप-सुसाइड केस-20 दिन के बाद पीड़िता की साइकिल मिली, सिक्युरिटी गार्ड के घर से साइकिल का एक टायर भी मिला, दो गार्ड अरेस्ट किए गए

नवसारी की छात्रा पर वडोदरा में गैंगरेप के बाद वलसाड में गुजरात क्वीन ट्रेन में मृतावस्था में बरामद शव के मामले में 21 दिन बाद रेलवे एलसीबी को पीड़िता की साइकिल खोजने में सफलता मिली है। पुलिस ने सिक्युरिटी कर्मचारी की संदेहास्पद गतिविधि पर 30 घंटे निगरानी रखने के बाद उसे रंगेहाथ पकड़ा। चर्चित घटना में प्रथम कड़ी पुलिस के हाथ लगने से अब अन्य सबूत मिल सकते है और मामले से पर्दा उठ सकता है। ओपी रोड पर स्थित पुनितनगर के पास रहने वाले महेश राठवा एम डी सिक्युरिटी कंपनी में नौकरी करता है और कंपनी ने बनाए सर्वन्ट क्वार्टर्स में रहता है। घटना स्थल से एक किलोमीटर दूर एटलान्टिक 2 में महेश सिक्युरिटी गार्ड के तौर पर नौकरी करता है। घटना की जांच कर रही रेलवे पुलिस ने महेश राठवा पर शंका जाने पर उसकी जांच की गई। मंगलवार को उसे जांच के लिए बुलाने के बाद जाने दिया गया। इसके बाद रेलवे एलसीबी ने उस पर निगरानी रखी। इसी दौरान पुनितनगर के पास गेल कंपनी के पीछे रोड पर स्थित एक बंद बंगले के पीछे युवती की साइकिल का पता चला, जो महेश राठवा ने छिपाई थी। साइकिल के दोनों टायर निकाल लिए थे। इसका एक टायर महेश के घर से बरामद हुआ है। साइकिल ठिकाने लगाने के लिए उसके हिस्से तोड़-तोड़कर कबाड़ में बेचे जा रहे थे। गार्ड ने कहा - साइकिल पड़ी मिली थी रेलवे पुलिस ने सिक्युरिटी गार्ड पर निगरानी रखने के बाद बुधवार को उसकी सख्त पूछताछ करने पर बंद बंगले के पीछे पीड़िता की साइकिल मिली थी। उसका एक टायर महेश के घर से मिला था। वहीं दूसरा टायर कबाड़ वाले को बेच दिया था। पुलिस इसकी जांच कर रही है। महेश ने रेलवे एलसीबी को बताया कि पीड़िता पर गैंगरेप के बाद दूसरे दिन साइकिल वेक्सीन मैदान निकट रोड पर पड़ी होने से उठा लेने की बात कही। हालांकि, पुलिस ने महेश के साथ एक अन्य सिक्युरिटी गार्ड को भी गिरफ्त में लिया है। फिलहाल दोनों से पूछताछ जारी है। ट्रेन के डिब्बे में युवती के हाथ तथा पैर के हिस्से पर घांव के निशान मिले थे। जिसके कारण उसके पीएम रिपोर्ट के आधार पर युवती के साथ दुष्कर्म होने की पुष्टी हुई है।

सूरत में दुखद घटना-मां अपने प्रेमी संग घर से भाग गई, फोन पर बात करने की जिद में 13 साल की बेटी ने फांसी लगाकर जान दी

सूरत के सचिन इलाके में 13 साल की बच्ची ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह अपने पिता से मां से फोन पर बात करवाने की जिद कर रही थी। बात नहीं हो पाई तो दुखी होकर खुदकुशी कर ली। बता दें, नाबालिग की मां 5 माह पहले सोशल मीडिया पर दोस्ती होने के बाद उसके साथ चली गई थी। बेटी पिता के पास थी। वह अक्सर मां को याद करके रोती थी। बुधवार को स्कूल से आने के बाद मां से फोन पर बात करवाने की जिद कर रही थी।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद सिविल में पोस्टमार्टम कराया। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पिता ने बेटी का दाह संस्कार किया। पुलिस आगे की छानबीन कर रही है। नाबालिग की आत्महत्या के लिए मां को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। बहन की मौत के बाद छाटा भाई भी सदमे में है।

ये है मामला

जानकारी के अनुसार पटना (बिहार) के मूल निवासी नीलेश शर्मा पिछले 30 साल से सचिन के साईं दर्शन सोसाइटी में रहते हैं। नीलेश शर्मा ने सचिन में एमआरएफ टायर के शो रूम में नौकरी करने वाली बबली नामक युवती से 14 साल पहले प्रेम विवाह किया था। बबली से दो बच्चे वंशिका और वंश हैं। बबली का एक साल पहले सोशल मीडिया पर अंकित दुबे नामक युवक से परिचय हुआ था। दोनों के काफी गहरे संबंध हो गए गए थे। बबली पांच महीने पहले घर से भाग गई थी। दोनों बच्चे नीलेश के साथ रह रहे थे। बच्चे अक्सर मां से मिलने और बात करने की जिद करते थे।

बबली एक सप्ताह पहले बच्चों से मिलने सूरत आई थी। मिलने के बाद वापस चली गई थी। बुधवार को दोपहर में वंशिका स्कूल से आई और मां से बात करने की जिद करने लगी। नीलेश ने कहा कि मैं अपना मोबाइल नहीं दूंगा, दूसरे मोबाइल में सिमकार्ड लगाकर बात कर लो। वंशिका नाराज हा गई और घर में फांसी लगा ली। नीलेश ने बेटी को फांसी लटका देखा तो एक परिचित की मदद से उसे नीचे उतारकर प्राइवेट अस्पताल में ले गया, जहां से सिविल में रेफर किया गया। सिविल जे जाते समय रास्ते में ही वंशिका की मौत हा गई। वह छठवीं कक्षा में पढ़ती थी।

साबरमती आश्रम के पुनर्निर्माण की योजना के खिलाफ दायर याचिका पर स्पष्टीकरण के बाद निपटारा

अहमदाबाद, साबरमती आश्रम के पुनर्निर्माण की योजना के खिलाफ गुजरात उच्च न्यायालय में दायर याचिका का राज्य सरकार की ओर से स्पष्टीकरण के बाद निपटारा हो गया। महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने अदालत को बताया कि गांधी आश्रम में कहीं पर भी पुनर्निर्माण कराने की योजना नहीं है, सरकार की यहां कोई मनोरंजन पार्क बनाने की मंशा नहीं है। इसके आसपास के जर्जर मकान व ट्रस्टों के भवनों को गांधी विचार व दर्शन के अनुकूल बनाने की योजना है। महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी की ओर से केंद्र व राज्य सरकार की ओर से साबरमती आश्रम अहमदाबाद के 12 सौ करोड़ की लागत से पुनर्निर्माण कराने की योजना के विरोध में उच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल की गई थी। मुख्य न्यायाधीश अरविंद कुमार एवं न्यायाधीश ए जे शास्त्री की खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए गुरुवार को याचिका का निपटारा कर दिया। गुजरात सरकार के महाधिवक्ता त्रिवेदी ने अदालत को बताया कि साबरमती आश्रम-गांधी स्मारक संग्रहालय करीब 50 एकड में फैला है। यहां पर कई मकान बने हैं जो आजादी से पहले के हैं, इनमें से 47 मकान तो पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। त्रिवेदी ने इस बात से साफ इनकार किया कि सरकार की मंशा गांधी आश्रम में किसी भी जगह पुनर्निर्माण कराने की है।

19 साल के वैवाहिक जीवन और दो बच्चों के पिता पर पत्नी ने लगाया दुष्कर्म का आरोप, कोर्ट ने किया बरी

अहमदाबाद, 19 साल के वैवाहिक जीवन और दो बच्चों के पिता को महानगर के सत्र न्यायालय ने पत्नी के साथ दुष्कर्म के आरोप से मुक्त कर दिया। सबूतों के अभाव एवं गवाहों के मुकर जाने के साथ पत्नी के आरोपों को अवैधानिक बताते हुए अदालत ने इस मामले में पति को बरी कर दिया। अहमदाबाद के साबरमती इलाके में रहने वाले 51 वर्षीय पति के खिलाफ उसकी पत्नी ने 2017 में दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। पत्नी का आरोप था की पति शाम को घर आया तथा घर खर्च के पैसे उसको देने के बाद उसकी मर्जी के विरुद्ध उसके साथ संबंध बनाए। पत्नी ने अपने आरोपों में कहा कि वह उसके लिए तैयार नहीं थी लेकिन फिर भी उसकी मर्जी के विरुद्ध पति ने उसके साथ दुष्कर्म किया। सेशन कोर्ट में चल रहे है इस मामले में सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि पति-पत्नी इस घटना के बाद भी एक ही छत के नीचे एक ही घर में रह रहे हैं। पत्नी ने जो आरोप लगाए हैं वह इसलिए भी नहीं माने जा सकते क्योंकि कानून की परिभाषा के अनुसार वह सही नहीं लगते। पति-पत्नी करीब 19 साल से वैवाहिक जीवन में है तथा उनके दो बच्चे भी हैं। पति अगर शारीरिक संबंध बनाता है और पत्नी की उम्र 15 साल से कम हो तो उस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376 बी के तहत कानूनी कार्रवाई हो सकती है लेकिन इस मामले में यह धारा भी लागू नहीं की जा सकती है। आरोपों एवं गमों के बयानों से ऐसा नहीं लगता है कि पति ने पति की मर्जी के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाए इसलिए धारा 375 भी यहां लागू नहीं होता है। इस मामले में पुख्ता सबूत भी पेश नहीं किए जा सके हैं इसलिए आरोपी पति को दुष्कर्म के मामले में बरी किया जाता है

आकाश चोपड़ा ने इन तीन खिलाड़ियों को बताया दावेदार, तीसरा नाम चौंकाने वाला

रेगुलर टेस्ट कप्तान पेन के उपर आरोप लगा है कि उन्होंने साल 2017 में अपनी महिला सहकर्मी को अश्लील फोटो और गंदे मैसेज भेजे थे। इस मामले के दोबारा सामने आने के बाद पेन ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली एशेज सीरीज से पहले कप्तानी पद से इस्तीफा दे दिया।

ऑस्ट्रेलिया को आगामी एशेज ट्रॉफी से पहले बड़ा झटका लगा। रेगुलर टेस्ट कप्तान टिम पेन ने अपनी सहकर्मी को आपत्तिजनक संदेश भेजने का खुलासा होने के बाद कप्तान पद छोड़ दिया था। इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को नए कप्तान की तलाश है। तेज गेंदबाज पैट कमिंस कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं।

उनके अलावा पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ भी दौड़ में हैं।आकाश ने यूट्यूब चैनल पर बताए तीन नामइस बीच भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस गुत्थी को सुलझाने की कोशिश की है। उन्होंने तीन खिलाड़ियों का नाम लिया जो ऑस्ट्रेलिया के नए टेस्ट कप्तान बनने के लिए मजबूत दावेदार हैं।

उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर पैट कमिंस इस रेस में सबसे आगे हैं। इसके पीछे उन्होंने वजह बताई कि कमिंस टीम में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं और काफी चतुर भी हैं।स्मिथ भी कप्तानी के लिए मजबूत दावेदारआकाश ने कहा कि स्टीव स्मिथ भी इस पद के लिए मजबूत दावेदार हैं, क्योंकि पहले भी वह कमान संभाल चुके हैं और अपनी कप्तानी में स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया को काफी मैच जिताए थे। स्मिथ काफी समझदार कप्तान हैं और गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करना जानते हैं। आकाश का तीसरा नाम चौंकान वाला था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मध्यक्रम के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का नाम लिया।स्मिथ बॉल टैंपरिंग विवाद में फंस चुके हैंआकाश ने कहा कि अगर स्मिथ ऑस्ट्रेलियाई टीम का दुबारा कप्तान बनते हैं तो इसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन उनका नाम बॉल टैंपरिंग मामले में जुड़ चूका है। इसलिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलियाई नियमों के तहत शायद ही उन्हें अगला कप्तान बनाए। आकाश ने कहा कि अगर लाबुशेन को ऑस्ट्रेलिया का अगला कप्तान बनाया जाता है तो इसमें कोई चौकने वाली बात नहीं होगी। लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज हैंलाबुशेन पिछले कुछ सालों में ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। लाबुशेन ने 18 टेस्ट में 60.81 की औसत से 1885 रन बनाए हैं। इसके अलावा उनके नाम 12 टेस्ट विकेट हैं। लाबुशेन ने 2018 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। तब से वह लगातार टीम का हिस्सा रहे हैं। टिम पेन ने इस वजह से छोड़ी कप्तानीरेगुलर टेस्ट कप्तान पेन के उपर आरोप लगा है कि उन्होंने साल 2017 में अपनी महिला सहकर्मी को अश्लील फोटो और गंदे मैसेज भेजे थे। इस मामले के दोबारा सामने आने के बाद पेन ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली एशेज सीरीज से पहले कप्तानी पद से इस्तीफा दे दिया।

श्रेयस अय्यर ने डेब्यू टेस्ट में जड़ा शतक, पूर्व क्रिकेटरों ने भी सोशल मीडिया पर दीं ऐसी प्रतिक्रियाएं

भारत और न्यूजीलैंड के बीच कानपुर में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कमाल कर दिया।

उन्होंने डेब्यू टेस्ट में शतक जड़कर अपने करियर का शानदार आगाज किया है। श्रेयस ने यह करिश्मा टेस्ट मैच के दूसरे दिन किया। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले भारत के तीसरे क्रिकेटर हैं। श्रेयस इस मुकाबले में 105 रन बनाकर आउट हुए। अपनी शतकीय पारी के दौरान उन्होंने 13 चौके और 2 छक्के लगाए। यह श्रेयस का कही कमाल था कि भारत अपनी पहली पारी में 345 रन बनाने में सफल रहा। उनकी इस शानदार शतकीय पारी को देखते हुए सोशल मीडिया पर पूर्व क्रिकेटरों समेत कई लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।157 गेंदों पर जड़ा शतकपहले दिन का खेल समाप्त होने तक श्रेयस अय्यर 75 रन बनाकर नाबाद लौटे थे। जिस तरह से उन्होंने पहले दिन बल्लेबाजी की उसे देखकर लगा कि वह अपने डेब्यू टेस्ट को यादगार बनाने वाले हैं। मैच के दूसरे दिन उन्होंने अपनी पारी वहीं खेलना शुरू की जहां पहले दिन छोड़ी थी। नई गेंद के चलते कीवी गेंदबाजों ने श्रेयस को परेशान करने की कोशिश की लेकिन उन्हें डिगा नहीं पाए। इस दौरान उन्होंने 157 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इससे पहले जब वह नर्वस नाइंटीज में थे उनके चेहरे पर घबराहट दिख रही थी। उन्होंने शतक पूरा उसके बाद अपने बैज को चूमा। ग्रीन पार्क स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने उनका तालियां बजाकर स्वागत किया। डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले वह भारत के 16वें क्रिकेटर हैं।

मेगा ऑक्शन में ड्वेन ब्रावो पर रहेंगी निगाहें, ये तीन फ्रेंचाइजी अपनी टीम में कर सकती हैं शामिल

इंडियन प्रीमियर लीग का अगला संस्करण आईपीएल 2022 में दो नई फ्रेंचाइजी के जुड़ने के साथ ज्यादा मनोरंजक होने की उम्मीद है। 10 टीमों के आईपीएल में इस साल भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को नीलामी भी होगी। वेस्टइंडीज के पूर्व धुआंधार ऑलराउंडर और कई साल तक आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले ड्वेन ब्रावो मेगा ऑक्शन में शामिल हो सकते हैं। मौजूदा समय में ब्रावो सीएसके का हिस्सा हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल 2022 में एमएस धोनी, रवींद्र जडेजा और रुतुराज गायकवाड़ को रिटेन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ऐसे में ब्रावो का रिलीज होना तय है। अगर चेन्नई की टीम ब्रावो को रिलीज करते है तो मेगा ऑक्शन में उननपर कई टीमें दांव लगा सकती हैं। आइए आपको उन तीन फ्रेंचाइजी के बारे में बताते हैं जो ब्रावो को सबसे पहले अपने दल में शामिल करना चाहेंगी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोरएबी डीविलियर्स के क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम कमजोर दिख रही है। उसे डीविलियर्स की भरपाई करनी होगी। आरसीबी के पास कई शानदार बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। लेकिन उनकी टीम में अनुभवी ऑलराउंडर की कमी है। ड्वेन ब्रावो दुनिया के पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने सबसे ज्यादा टी-20 खिताब जीते हैं। ऐसे में आरसीबी अगले सीजन में ओवरसीज खिलाड़ी के तौर पर ब्रावो को टीम में शामिल कर सकता है। सनराइजर्स हैदराबादआईपीएल मेगा ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद दूसरी टीम है जो ड्वेन ब्रावो पर दांव लगा सकती है। साल 2021 आईपीएल में सनराइजर्स का प्रदर्शन बेहद शर्मनाक रहा। टीम 14 मैचों में से सिर्फ तीन मुकाबले जीत पाई। शुरुआत में टीम की कप्तानी करने वाले डेविड वार्नर को भी मैनेजमेंट ने हटा दिया। अब, टीम में अपने विदेशी दल को मजबूत करने के लिए सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल 2022 की नीलामी में ड्वेन ब्रावो को टारगेट कर सकती है।

पाक फिर बेनकाब-26/11 मुंबई आतंकी हमले के साजिशकर्ता लखवी समेत सात दहशतगर्द पकड़े, पर नहीं हुई कार्रवाई

पाक का 26/11 के मुंबई हमलों पर नाकाम चेहरा एक बार फिर उजागर हुआ है। खुफिया एजेंसी आईएसआई के अफसरों की सलाह पर मुंबई हमलों के साजिशकर्ता एक बार फिर पाक में गिरफ्तारी से बच गए हैं। हाल ही में पाकिस्तान ने लश्कर के एक ठिकाने पर छापा भी मारा। उसमें पकड़े गए 7 लोगों में एक

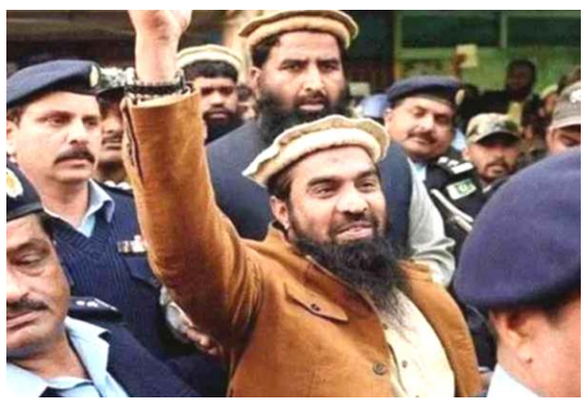

जकीउर्रहमान लखवी था लेकिन पाक उन पर कार्रवाई करने में नाकाम रहा और रिहा कर दिया गया।इंटरनेशनल फोरम फॉर राइट्स एंड सिक्योरिटी ने इस पूरे वाकये का खुलासा किया है। उसने कहा कि पाकिस्तान में इस तरह के छापे आमतौर पर कम ही पड़ते हैं क्योंकि लश्कर एक ऐसा संगठन है जिसे पाक सेना 'गुड टेररिस्ट' कहती रही है। यानी ऐसे आतंकी जो उसके हित में काम करते हैं। इस संगठन के ठिकाने पर पुलिस ने बाकायदा छापा मारा और करीब सात लोगों को पकड़ा, लेकिन 7 नवंबर को कोर्ट के आदेश पर इन्हें रिहा कर दिया गया। इनमें एक जकीउर्रहमान लखवी था जिसे 26/11 के मुंबई हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। लखवी के अलावा इस छापे में प्रोफेसर मलिक जफर इकबाल, नसरुल्ला, समीउल्लाह, याह्या मुजाहिद, हाफिज अब्दुल रहमान मक्की और उमर बहादुर को पकड़ा गया। लेकिन उन्हें रिहा कर दिया गया। मक्की को छोड़ पांचों आतंकियों को नौ साल कैद सुनाई जा चुकी है।अंतरराष्ट्रीय दबाव किया दरकिनारटाइम्स ऑफ इस्राइल में सर्जियो रेस्टेली के ब्लॉग के मुताबिक, पाक में चुनी गई सरकार के पास 2008 के मुंबई आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं की जड़ें उखाड़ फेंकने का सुनहरा मौका था लेकिन वह नाकाम रही। 26/11 की साजिश में शामिल लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने दबाव बनाया था। लेकिन उसे भी अमल में लाने में पाक नाकाम रहा। मुंबई जैसे हमले रोकने के लिए राज्यों के साथ 300 से अधिक सुरक्षा अभ्यासतटीय सीमा सुरक्षा की मजबूती के लिए 26/11 हमले के बाद देश में अलग-अलग राज्यों के साथ 300 से अधिक सुरक्षा अभ्यास किए गए हैं। भारतीय तट रक्षक बल (आईसीजी) के महानिदेशक के नटराजन ने हमले की 13वीं बरसी की पूर्व संध्या पर बताया कि हम दो तटीय राज्यों को एकसाथ मिलाकर इस तरह के आतंकी हमलों से निपटने के लिए अभ्यास करते हैं। राज्यों की समुद्री सीमा को मजबूत बनाने में अभ्यास की अहम भूमिका है।40 से 44 जहाज से रखते नजरआईसीजी के महानिदेशक ने कहा, तटीय सुरक्षा घेरा मजबूत रखने के लिए 40 से 44 जहाजों द्वारा शत्रुओं व अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों पर नजर रखी जाती है। इसके अलावा 10 से 12 एयरक्राफ्ट की मदद से 21 लाख स्क्वायर किमी क्षेत्र में निगरानी की जाती है। समुद्री रास्ते से ड्रग्स रोकने के भी इंतजाम किए जा रहे हैं।

नियुक्ति-इंटरपोल ने यूएई के अधिकारी अल-रईसी को चुना अध्यक्ष, लोगों को हिरासत में रख यातना देने के लग चुके हैं आरोप

अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसी 'इंटरपोल' ने यूएई के विवादास्पद अधिकारी मेजर जनरल अहमद नसीर अल-रईसी को अपना अध्यक्ष चुन लिया। रईसी का चयन तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में इंटरपोल की वार्षिक आमसभा में हुआ। वे यूएई के गृह मंत्रालय में महानिरीक्षक रह चुके हैं। उन पर देश के मानवाधिकार समूह में मनमाने ढंग से लोगों को हिरासत

में रखकर यातनाएं देने के आरोप लगते रहे हैं।संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रईसी के विवादित कार्यकाल को देखते हुए मानवाधिकार समूहों ने उनके नाम की घोषणा का विरोध भी किया है।

अल-रईसी के खिलाफ फ्रांस समेत पांच देशों में आपराधिक शिकायतें हैं जहां इंटरपोल का मुख्यालय है।इस बीच, अबू धाबी में सरकारी अखबार से बातचीत में रईसी ने कहा कि वह इंटरपोल का आधुनिकीकरण करना चाहते हैं।

इससे पहले इंटरपोल के अध्यक्ष के चुनाव पर करीब से नजर रखी जा रही थी क्योंकि संगठन के पहले चीनी अध्यक्ष मेंग होंगवेई 2018 में चीन जाते समय रास्ते से ही लापता हो गए थे।तब उनका कार्यकाल

पूरा नहीं हुआ था।इसके बाद पता चला कि उन्हें हिरासत में लिया गया है और उन पर चीन में रिश्वतत लेने तथा अन्य अपराधों में शामिल होने के आरोप लगाए गए।

अमेरिका: चीन की 12 कंपनियां निर्यात कालीसूची में डाली गई, पाकिस्तान से थे संबंध

अमेरिकी प्रशासन ने अपनी निर्यात कालीसूची में एक दर्जन और चीनी फर्मों को शामिल किया है। अमेरिकी व्यापारिक संबंधों में चीन के हाई-टेक रक्षा क्षेत्र पर नकेल कसने का यह नवीनतम कदम है। वाणिज्य मंत्रालय की इस सूची में चीन की क्वांटम कंप्यूटिंग कंपनियां, सेमीकंडक्टर फर्म और व्यवसाय शामिल हैं। इनमें से कुछ कंपनियों ने पाकिस्तान की असुरक्षित परमाणु गतिविधियों में योगदान दिया है।अमेरिका ने इस कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति की चिंताओं का हवाला दिया है। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने कहा, वैश्विक व्यापार और वाणिज्य को शांति, समृद्धि और अच्छे वेतन वाली नौकरियों का समर्थन करना चाहिए, न कि राष्ट्रीय खतरा खड़ा करना चाहिए। अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय ने बताया है कि चीन और पाकिस्तान में सक्रिय व्यक्तियों और संस्थाओं को पाकिस्तान की असुरक्षित परमाणु गतिविधियों या बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में शामिल होने के कारण इस सूची में जोड़ा गया है। अमेरिका का कहना है कि कुछ कंपनियां चीनी सेना के क्वांटम कंप्यूटिंग प्रोग्राम को विकसित करने में मदद कर रही हैं। इन कंपनियों पर सैन्य प्रयोगों के लिए अमेरिकी वस्तुओं को हासिल करने की कोशिशों को आरोप अमेरिका ने लगाए हैं। अब अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय इन सामानों का चीन को निर्यात रोक देगा।ताइवान पर तनाव के बीच यह बड़ा कदमअमेरिका में चीन की एक दर्जन कंपनियों को कालीसूची में डालने की कार्रवाई ताइवान को लेकर बीजिंग से जारी तनाव के बीच एक बड़ा कदम है। इस माह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई ऑनलाइन बैठक में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई थी उनमें से एक दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भी था। लेकिन इसके बावजूद अमेरिका ने चीनी कंपनियों पर यह कार्रवाई की है।चीन, जापान,

पाक, सिंगापुर की 27 फर्में लक्षितइस संबंध में अमेरिका ने चीन, जापान, पाकिस्तान और सिंगापुर की 27 कंपनियों को कालीसूची में लक्षित किया है। इनमें जापान और सिंगापुर की दो फर्में शामिल हैं। चीनी टेलीकॉम कंपनी हुवावे को इस सूची में 2019 में शामिल किया गया था। दावा है कि इससे अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है। इस कदम के कारण कंपनी के लिए मोबाइल फोन का उत्पादन करना मुश्किल हो गया था।

फिल्म स्टार और राकांपा महासचिव सुदीप पांडे से रंगदारी वसूलने के मामले में नवी मुंबई हाउसिंग सोसाइटी के अध्यक्ष व प्रबंधक पर एफआईआर

मुंबई/नवी मुंबई।एपीएमसी पुलिस ने भोजपुरी अभिनेता से कथित रूप से जबरन वसूली करने के लिए अध्यक्ष विनोद नायर और पुनीत चैंबर्स को-ऑप सोसाइटी लिमिटेड के प्रबंधक विजय मेनन के खिलाफ 19/11 /2021 को एफआईआर (नंबर -0417) दर्ज किया है। सुदीप पांडे के माता-पिता का पुनीत चैंबर्स, वाशी में एक कार्यालय था जिसमे उन्होंने सुदीप को 100 प्रतिशत शेयरों के साथ नामांकित व्यक्ति के रूप में अधिकृत किया था। अतः उनकी दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के बाद सुदीप ने उक्त सोसायटी के उपनियमों के अनुसार सोसायटी की सदस्यता के लिए आवेदन किया लेकिन सोसायटी के अध्यक्ष ने उनसे पैसे वसूले और धमकी दी , जिसे सुदीप पांडे ने गुप्त रूप से रिकॉर्ड किया और अपने व्हाट्सएप चैट संदेश और वॉयस रिकॉर्डिंग के साथ एपीएमसी पुलिस से संपर्क किया। बाद में पुलिस के सामने यह खुलासा हुआ कि अध्यक्ष और प्रबंधक सुदीप पांडे को उनकी बहनों के कहने पर परेशान कर रहे थे जिन्होंने संयुक्त रूप से सोसायटी को एक पत्र दिया जिसमें उन्होंने सोसायटी को निर्देश दिया कि वे सुदीप पांडे के साथ किसी भी तरह का सहयोग न करें क्योंकि वे भी कानूनी वारिस हैं और यहां तक कि समिति के सदस्यों से अपने पत्र को गुप्त रखने के लिए भी कहा।

इस पर में सुदीप पांडे कहते हैं, "अगर मेरी बहनों को मेरे समाज के अनंतिम सदस्य बनने में कोई समस्या है, तो उन्हें उचित अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए और सोसायटी की समिति के सदस्यों के माध्यम से मुझे परोक्ष रूप से परेशान करने के बजाय उचित स्थगन आदेश लाना चाहिए। आप दूसरों से लड़ सकते हैं लेकिन जब आपको अपने करीबी रिश्तेदारों से लड़ना पड़ता है तो यह दर्दनाक होता है। महाभारत में अर्जुन को भी शक्तिशाली कौरवों से जबरन युद्ध करना पड़ा था। लेकिन मेरे माता-पिता के मूल्य, संस्कार मुझे रिश्तेदारों को सलाखों के पीछे भेजने की अनुमति नहीं देते हैं अन्यथा उन्हें सोसायटी की समिति के सदस्यों के साथ बुक किया जा सकता था क्योंकि वे इस अपराध में शामिल हैं। मैं दृढ़ता से मानता हूं कि लालच बुरी बला है मैं और लालची इंसान को हमेशा लेने के देने पड़ जाते हैं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि सभी को सद्बुद्धि दे।"

कॉपीकैट-'भेड़िया' फिल्म ने कॉपी किया 2018 की थ्रिलर फिल्म 'रेडरम' का पोस्टर, इन फिल्मों पर भी लग चुके हैं पोस्टर चुराने के आरोप

वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म भेड़िया का पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। 25 नवम्बर 2022 में रिलीज होने वाली इस फिल्म का पोस्टर हूबहू साल 2018 की थ्रिलर फिल्म रेड-रम से से मिलता है। पोस्टर सामने आते ही लोग मेकर्स पर पोस्टर चोरी करने का आरोप लगा रहे हैं। हालांकि ये पहली बार नहीं है जब किसी बड़ी फिल्म ने पोस्टर चोरी किया है-

राधे श्याम- पोर्तुगल ब्लॉगर्स का पोस्टर

पैन इंडिया की फिल्म राधे-श्याम का पोस्टर कुछ दिनों पहले काफी सुर्खियों में था। इसका कारण था फिल्म के पोस्टर का पोर्तुगल के ट्रेवर ब्लोगर्स रकील और मोगल के पोस्टर से मिलना। फिल्म के पोस्टर में प्रभास और पूजा हेगड़े ब्लॉगर्स का पोज कॉपी करते दिखे थे।

बाहुबली: द बिगिनिंग- ओंग बैक 2- सिमोन ब्रिंच

साल 2015 की फिल्म बाहुबली: द बिगिनिंग अपनी यूनीक स्टोरी के चलते चर्चा में थी, हालांकि इस फिल्म के दो पोस्टर हॉलीवुड फिल्मों से कॉपी किए गए थे। हाथी पर चढ़े प्रभास का पोस्टर, 2008 की फिल्म ओंग बैक 2 से कॉपी किया गया था, जबकि पानी में बाहुबली के नवजात को हाथ में उठाती हुई शिवगामी वाला पोस्टर सिमोन ब्रिंच फिल्म से चुराया गया था।

पीके- क्विम बरेरोज एलबम

साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म पीके की बेहतरीन कहानी देख हर कोई इंप्रेस हुआ था, हालांकि इस फिल्म का पोस्टर इंग्लिश सिंगर क्विम बरेरोज के म्यूजिक एलबम कवर से चुराया गया था। पोस्टर में आमिर बिना कपड़ों के रेडियो लिए खड़े हुए हैं। ये पोस्टर न्यूडिटी के चलते भी काफी विवादों में आ गया था।

गजनी- द इनक्रेडिबल हल्क

साल 2009 की फिल्म गजनी के पोस्टर में आमिर खान और उनका अग्रेसिव किरदार साथ नजर आ रहे हैं। ये पोस्टर हूबहू हॉलीवुड सुपर हीरो फिल्म द इनक्रेडिबल हल्क से मिलता है।

मर्डर 2- एंटी क्राइस्ट

जैकलीन फर्नांडिस और इमरान हाशमी स्टारर फिल्म बोल्ड सीन के अलावा चोरी के पोस्टर के चलते भी सुर्खियों में थी। फिल्म के पोस्टर का आइडिया हॉलीवुड फिल्म एंटी क्राइस्ट से चुराया गया है, जिसमें लीड एक्टर्स लाश के सामने रोमांस करते नजर आ रहे हैं।

थप्पड़- आफ्टर लूसिया

तापसी पन्नू की साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म थप्पड़ का पोस्टर साल 2013 की हॉलीवुड ड्रामा फिल्म आफ्टर लूसिया से कॉपी किया गया है।

दिलवाले- द बेस्ट ऑफ मी

देखने से ये साफ होता है कि साल 2015 की मल्टीस्टारर फिल्म दिलवाले का पोस्ट पूरी तरह से द बेस्ट ऑफ मी से कॉपी किया गया है। हॉलीवुड फिल्म, बॉलीवुड की दिलवाले से ठीक एक साल पहले 2014 में रिलीज हुई थी।

रावन- बैटमैन बिगन

साल 2011 में रिलीज हुई शाहरुख खान और करीना कपूर स्टारर फिल्म रावन का पोस्टर हॉलीवुड फिल्म बैटमैन बिगन से कॉपी किया गया था। बैटमैन एक पॉपुलर सीरीज है जिसके चलते ये चोरी किसी की नजरों से बच नहीं सकी।

एजेंट विनोद- जॉनी इंग्लिश

सैफ अली खान की फिल्म एजेंट विनोद का पोस्टर काफी कलर-फुल और एक्शन से भरपूर बनाया गया था। ये पोस्टर साल 2002 की हॉलीवुड फिल्म जॉनी इंग्लिश के पोस्टर से हूबहू मिलता है। ओरिजिनल पोस्टर में रोवन अटकिनसन एक्शन करते नजर आए थे।

अनजाना-अनजानी- एन एजुकेशन

प्रियंका चोपड़ा और रणबीर कपूर पर बनाई गई फिल्म अनजाना-आनजानी का पोस्टर पूरी तरह एन एजुकेशन के पोस्टर से मिलता है। ये कहना गलत नहीं होगा कि मेकर्स ने इसका आइडिया कॉपी किया है। फिल्म को साल 2010 में रिलीज किया गया था।

क्रिकेट वर्ल्ड कप की जीत पर बनी रणवीर सिंह की फिल्म '83' का टीजर रिलीज, 4 दिन बाद आएगा ट्रेलर

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह की मच अवेडेट फिल्म '83' का टीजर सोशल मीडिया पर रिलीज कर दिया गया है। टीजर के साथ-साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी अनाउंसमेंट कर दिया गया है। इस टीजर को दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दोनों ने ही अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। यह फिल्म 24 दिसंबर 2021 को थिएटर्स में रिलीज की जाएगी। साथ ही फिल्म हिंदी के अलावा तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी रिलीज होगी। इस फिल्म को कबीर खान ने डायरेक्ट किया है। वहीं दीपिका फिल्म में कपिल देव की वाइफ रोमी का रोल प्ले करेंगी। फिल्म '83' की कहानी 1983 के ऐतिहासिक क्रिकेट वर्ल्ड कप की जीत पर आधारित है।

बॉम्बे हाई कोर्ट से राज कुंद्रा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज, पोर्न रैकेट केस में सायबर सेल ने दर्ज किया था मामला

पोर्न रैकेट मामल में बॉम्बे हाई कोर्ट ने बिजनेसमैन राज कुंद्रा द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। गौरतलब है कि पोर्न फिल्म रैकेट मामले में मुंबई पुलिस के साइबर सेल ने FIR जुलाई 2020 में दर्ज की थी। शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा ने इसी के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। इसके पहले राज कुंद्रा को मुंबई अपराध शाखा ने जुलाई में एक मोबाइल ऐप के माध्यम से पोर्न फिल्मों के निर्माण और वितरण के आरोप में गिरफ्तार किया था। बाद में सितंबर में उन्हें जमानत मिली थी।

मूवी रिव्यू-दमदार एक्शन और बेहतरीन डायलॉग से भरपूर है जॉन अब्राहम की 'सत्यमेव जयते 2' फिल्म, दिव्या कुमार खोसला का मिला पूरा सपोर्ट

मिलाप जावेरी के निर्देशन में बनी सत्यमेव जयते 2 फिल्म 25 नवम्बर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। ये फिल्म करप्शन के खिलाफ आवाज उठाने पर बनी है जिसमें जॉन अब्राहम तीन अलग-अलग किरदारों में हैं। एक तरफ जॉन ने जुड़वा भाइयों सत्या बलराम आजाद (होम मिनिस्टर)- जय बलराम आजाद (पुलिसवाले) का रोल प्ले किया है, वहीं तीसरा किरदार है इनके पिता दादा साहेब बलराम आजाद का।

कैसी है फिल्म की कहानी?

कहानी आजाद फैमिली के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां सत्या एंटी करप्शन बिल पास करवाना चाहता है लेकिन पूरा अपोजीशन उसके खिलाफ है, जिसमें उसकी पत्नी विद्या यानी दिव्या कुमार खोसला भी शामिल है। किसान दादा साहब बलराम आजाद का पूरा परिवार भ्रष्टाचार मुक्त भारत चाहता है। उनके दोनों बेटे सत्य बलराम आजाद व जय बलराम आजाद भी पिता के उस सपने को मूर्त रूप देने में जुटे रहते हैं। इस काम में उसकी पत्नी विद्या आजाद भी साथ देती है। दोनों भाई सत्या और जय गाजर मूली की तरह सिस्टम से भ्रष्टाचारियों को काटने में लगे रहते हैं।

दमदार डायलॉग से भरी पड़ी है फिल्म

जॉन के तीनों किरदारों की एंट्री और स्पीच में जॉन की पर्सनैलिटी झलकती है, जिसे दमदार बनाने के लिए इसमें दमदार डायलॉग 'जिस देश की मैया गंगा है, वहां खून भी तिरंगा है', 'पंखे पर झूल रहा किसान है, गड्ढे में पूरा जहान है, फिर भी भारत महान है' और 'तन मन धन' से बड़ा है 'जण, गण, मन'।

एक्शन से भरपूर है फिल्म

डायलॉग और स्क्रीन प्ले दोनों में ही काफी एक्शन है। यानी फिल्म एक्शन के दीवानों के लिए फुल टाईम पास है। अब बात फिल्म की हीरोइन दिव्या कुमार खोसला की, तो इस फिल्म को बॉलीवुड में उनका कमबैक कहा जा सकता है।

करप्शन के खिलाफ आवाज उठाती फिल्म

फिल्म में फ्लाई ओवर के कोलेप्स होने, हॉस्पिटल में ऑक्सीजन की कमी से हो रही बच्चों की मौत, मिड डे मील जैसे कई ऐसे मुद्दे दिखाए गए हैं जिससे आम जनता इससे खुद को कनेक्ट कर सकेगी।

फिल्म का म्यूजिक बेहतरीन

फिल्म का म्यूजिक आपको थिरकने पर मजबूर करेगा। नोरा फतेही का चार्टबस्टर कुसू-कुसू गाना तो पहले ही लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है, लेकिन इसे बड़ी स्क्रीन पर देखने का अपना अलग ही मजा है। स्क्रीनप्ले के लिहाज से फिल्म थोड़ी कमजोर रही है और एक्स्ट्रा मारधाड़ भी दर्शकों को थोड़ा इरिटेट कर सकती है लेकिन अगर आप जॉन के टिपिकल वाले फैन हैं तो आपको ये फिल्म जरूर पसंद आएगी।

विक्की कौशल की मौसेरी बहन ने कहा-कटरीना कैफ से नहीं हो रही है विक्की की शादी, इस तरह की खबरें महज अफवाहें

विक्की कौशल और कटरीना कैफ की शादी की तैयारियों की खबरें चौतरफा छाई हुई हैं, लेकिन उनके रिश्तेदारों को ही इस शादी की ऑफिशियल जानकारी नहीं है। दैनिक भास्कर से खास बातचीत में विक्की कौशल की मौसेरी बहन डॉ. उपासना वोहरा ने तो दोनों की शादी नहीं होने का ही दावा कर दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि उनके भाई विक्की कौशल की कटरीना कैफ से शादी नहीं हो रही है। ये बस मीडिया में चल रही अफवाहें हैं।

भैया से बात हुई थी, ऐसा कुछ नहीं है

उपासना ने कहा, 'तैयारियों से लेकर शादी की तारीखें तक बस मीडिया में फैलाई जा रही अफवाहें हैं। शादी तो नहीं हो रही है। ये तो सारे रूमर्स ही हैं आप की मीडिया में। ऐसी चीजें होंगी तो वो अनाउंस करेंगे ही। बॉलीवुड में तो अक्सर रूमर्स आते हैं और बाद में पता चलता है कि बात कुछ और थी। वो बस टेंपरेरी रूमर्स होते हैं। हाल ही में मेरी भइया से बात हुई थी। ऐसा कुछ नहीं है। बाकी मैं इस मसले पर और कुछ कमेंट नहीं करना चाहती, पर फिलहाल शादी तो नहीं हो रही है।' सीक्रेसी के लिए उठाया कदम गौरतलब है कि डॉ. उपासना वोहरा की शादी इसी साल जुलाई में हुई थी। तब विक्की कौशल ने अपने भाई के साथ उपासना वोहरा की शादी अटैंड की थी। उनकी डोली को दोनों भाइयों ने कंधा दिया था। हालांकि बॉलीवुड इंडस्ट्री के जानकार उनके बयान को विक्की और कटरीना की ओर से सीक्रेसी मेंटेन करने की खातिर परिवार वालों को दी गई हिदायत के तौर पर भी देख रहे हैं। नो फोन पॉलिसी भी करेंगे लागू विक्की-कटरीना की शादी को लेकर यह भी खबर सामने आई थी कि उन्होंने वेडिंग वेन्यू में आने वाले गेस्ट के लिए नो फोन पॉलिसी अपनाई है। वहीं, कपल ने 100 के बजाय 150 सिक्योरिटी गार्ड शामिल करने का फैसला लिया है, जिनमें फीमेल बॉडीगार्ड, मेल बॉडीगार्ड, सिक्योरिटी गार्ड के अलावा ट्रैफिक रेगुलेशन, सेलिब्रिटीज एक्सेस जैसी सर्विसेज भी शामिल हैं।

कियारा ने किया कन्फ्यूज

मुंबई,यह सोशल मीडिया भी अजीब जगह है। यहां पर किसी भी चीज का पोस्टमार्टम इस तरह होता है कि कहने ही क्या! मसलन कियारा आडवाणी को ही ले लीजिए। मैडम ने हाल ही में एक विज्ञापन किया है। इस विज्ञापन में एक कंपनी के वायरलेस इयरबड ब्रांड को इंडोर्स करती नजर आती हैं लेकिन इसके लिए कियारा ने थोड़े तंग कपड़े पहने हैं। अब ऐसे में नेटीजंस में चर्चा शुरू हो गई है। एक ने कहा, आप क्या कर रही हैं, समझ में ही नहीं आया। यह किस चीज का विज्ञापन है? तो दूसरे ने फरमाया कि मुझे तो लगा कि यह स्पोर्ट्स ब्रा का विज्ञापन है। तीसरे ने लिखा कि मुझे २ मिनट तो यह सोचने में लग गए कि चल क्या रहा है? तो एक ने कमेंट किया यह आजकल के क्रिएटिव भी न जाने क्या-क्या दिमाग चलाते हैं और विज्ञापन बनाते हैं... इन सब बातों से तो यही लग रहा है कि पब्लिक कन्फ्यूज है कि देखें क्या और खरीदें क्या? अब इस तरह का कन्फ्यूजिंग विज्ञापन होगा तो ऐसा ही होगा न। तो इस मामले में हम यही कहना चाहेंगे कि मैडम कियारा आगे से किसी भी विज्ञापन को करने से पहले जरा सोच-विचार लें तो कम से कम पब्लिक तो कन्फ्यूज नहीं होगी न...

यह इश्क है अतरंगी

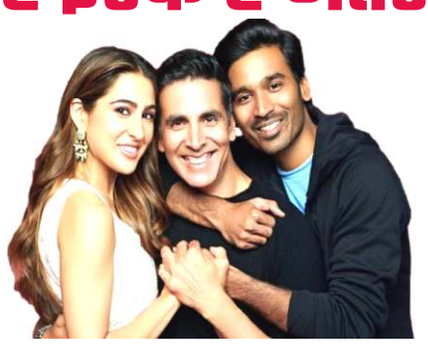

मुंबई, बॉक्स ऑफिस पर 'सूर्यवंशी' ने जोरदार झंडा लहरा दिया है और इसका सबसे बड़ा फायदा अक्षय कुमार को हुआ है, जिनकी ऊंची टीआरपी और भी ज्यादा ऊंची हो गई है। सूर्यवंशी ने उन्हें बॉक्स ऑफिस का नि:संदेह बादशाह बना दिया है। अब बारी है 'अतरंगी रे' की। आनंद एल राय की इस फिल्म में अक्षय के साथ सारा अली और धनुष मौजूद हैं। यह एक प्रेम त्रिकोण पर आधारित फिल्म बताई जा रही है। हाल ही में इसका प्रोमो जारी हुआ और जल्द ही यह फिल्म हॉटस्टार पर रिलीज होगी। यहां तक तो बात ठीक है, पर प्रोमो के आते ही लोगों ने चटकारे लेने शुरू कर दिए हैं। ये चटकारे अक्की बाबू के लिए हैं। एक पक्की दाढ़ीवाले का एक कमसिन बाला से इश्क फरमाना कॉलेज गोवर्स को जम नहीं रहा। तरह-तरह के कमेंट किए जा रहे हैं। अभी यह हाल है तो फिल्म रिलीज के बाद पता नहीं यूथ का क्या रिएक्शन होगा। इसे लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। मगर आनंद एल राय थोड़े भी परेशान नहीं हैं। वे कॉन्फिडेंट हैं। उनका कहना है कि पहले २ घंटे की फिल्म देखिए, उसके बाद कोई राय बनाइए। यह कोई सिंपल लव स्टोरी नहीं है। ओके ठीक है सो वेट एंड वॉच...

दिव्या का जोश हाई

मुंबई, इस सप्ताह रिलीज हुई फिल्म 'सत्यमेव जयते-२' को दर्शकों और समीक्षकों की अच्छी सराहना मिली है। इस फिल्म में जॉन अब्राहम ट्रिपल रोल में हैं। पर्दे पर उनका जोशीला अंदाज दर्शकों को खूब भाया, मगर इन सबके बीच पर्दे पर एक खूबसूरत एहसास बनकर उभरी हैं दिव्या खोसला कुमार। दिव्या ने करियर के पीक पर ही ब्रेक ले लिया था मगर अब वे पूरी तरह तैयार हैं। 'सत्यमेव जयते-२' में दिव्या ने जिस तरह का परफॉर्मेंस दिया है, उसे दर्शकों ने सिर आंखों पर लिया है। दिव्या के ऊपर तारीफों के पुल बरस रहे हैं। तारीफों के इन फूलों को पाकर दिव्या का दिल बाग-बाग हो रहा है और उनका जोश हाई है। दिव्या कहती हैं कि अब समय बदल गया है और दर्शकों को इससे कोई मतलब नहीं कि अभिनेत्री कुंवारी है या शादीशुदा। उन्हें बस अच्छा परफॉर्मेंस चाहिए। इन दिनों काजोल, करीना, दीपिका, अनुष्का जैसी कई अभिनेत्रियों ने इसे साबित भी कर दिया है। बहरहाल, सुनने में आ रहा है कि 'सत्यमेव जयते' के बाद कई निर्माताओं की नजरें दिव्या की ओर लगी हैं। मगर दिव्या रोल के लिए किसी भी तरह के कंप्रोमाइज के मूड में नहीं हैं। वे कहती हैं कि अगर रोल अच्छा होगा, उसमें दम होगा, कोई चुनौती होगी तो ही वे उसे स्वीकार करेंगी। अन्यथा सिर्फ नाम के लिए उन्हें फिल्में नहीं करनी। प्रपोजल तो बहुत आ रहे हैं पर उन्हें क्वांटिटी नहीं बल्कि क्वालिटी चाहिए। भूमिकाएं सशक्त होंगी तो ही वे उन्हें चुनेंगी। सोच तो अच्छी है। अब देखते हैं कि दिव्या आनेवाले दिनों में दर्शकों के दरबार में अपना जलवा किस अंदाज में पेश करती हैं...

लॉकडाउन लर्निंग

मुंबई,कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन ने बहुत से लोगों को परेशान कर दिया, पर कुछ ऐसे भी हैं, जिन्होंने इस काल में कुछ सीखा यानी लर्न किया। ऐसी ही हैं अभिनेत्री प्राची देसाई। प्राची ने बॉलीवुड में जिस धमाकेदार अंदाज में एंट्री ली थी, उसे वह कायम नहीं रख पाई थीं। बहरहाल इस लॉकडाउन के दौरान उन्होंने नए जमाने के इंटरटेनमेंट स्टाइल पर काफी मंथन किया। यह डिजिटल दौर है। 'साइलेंस वैâन यू हियर इट' के साथ वे डिजिटल हो चुकी हैं। उनकी दो और फिल्में भी आनेवाली हैं और इन सब से उत्साहित प्राची कहती हैं कि इस नए दौर को मैंने अपना लिया है। अगर कोई अच्छा रोल मिलता है तो मुझे उसके लिए ऑडिशन देने में कोई परेशानी नहीं है। कई बड़ी फिल्में कर चुकी प्राची ने खुद को अब इतना फ्लैक्सिबल कर लिया है कि आनेवाले दिनों में छोटे से बड़े पर्दे तक अगर वे चहकती हुई नजर आएं तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए...

तनीषा का कोड

मुंबई, तनुजा की छोटी बेटी तनीषा मुखर्जी अब एक बार फिर एक्शन में आ गई हैं। एक्शन भी ऐसा वैसा नहीं बल्कि शानदार। तनीषा ने अपनी फिल्म 'कोड नेम अब्दुल' के साथ दिसंबर में अवतरित होने का प्लान बनाया है। ईश्वर गुंटुर की यह फिल्म 'रॉ' के एक सीक्रेट मिशन पर आधारित है। इस फिल्म में सीक्रेट मिशन है, थ्रिल है तो फिल्म में एक्शन भी होगा और एक्शन के सवाल पर तनीशा का खुशी देखते ही बनती है। वे कहती हैं, मैं कब से ऐसे रोल का इंतजार कर रही थी। अब तक मैंने रूटीनवाले रोल बहुत किए हैं, पर अब ये खास है। अब देखना है कि आगामी १० दिसंबर को जब बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म रिलीज होगी तो तनीषा को दर्शक एक्शन में देखकर किस तरह रिएक्ट करते हैं...

तकनीकी शिक्षा में छात्रों के आदान-प्रदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

हम वैश्वीकरण की दुनिया में रह रहे हैं और वैश्विक स्तर पर वर्क कल्चर एनवायरनमेंट से परिचित होना समय की मांग है। शिक्षा में हाल की पहलों ने पाठ्यचर्या अभ्यास के एक भाग के रूप में इंटर्नशिप को शामिल करना सुनिश्चित किया है। आज अधिक से अधिक संस्थान छात्र विनिमय कार्यक्रमों के लिए संस्थान उद्योग लिंकेज के साथ ज्ञान का आधार बनाने में निवेश कर रहे हैं।

IAESTE एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संगठन है जिसकी स्थापना 1948 में एक अंतर्राष्ट्रीय कनेक्ट प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। संगठन 42 देशों में फैला हुआ है, जिनमें से 22 यूरोप के बाहर स्थित हैं। वार्षिक इंटर्नशिप विनिमय दर अब लगभग 7000 छात्रों पर आ गई है। विज्ञान प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग या गणित स्ट्रीम (STEM) के तहत तकनीकी शिक्षा प्रदान करने वाले किसी भी संस्थान के साथ डिग्री या स्नातकोत्तर कार्यक्रम करने वाले छात्र अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप का लाभ उठाने के लिए IAESTE सदस्यता ले सकते हैं। वे विदेशों में करियर-केंद्रित पेशेवर इंटर्नशिप, दूरस्थ इंटर्नशिप, सामाजिक और इंटरकल्चरल रिसेप्शन गतिविधियों, अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग और दुनिया भर के 80 से अधिक देशों में कैरियर से संबंधित अन्य गतिविधियों के माध्यम से छात्रों, नियोक्ताओं और शैक्षणिक संस्थानों की सेवा करते हैं।

सभी IAESTE ऑन-साइट इंटर्नशिप को जीवन निर्वाह भत्ता का भुगतान किया जाता है, जो न्यूनतम के रूप में आपके आवास, भोजन और स्थानीय यात्रा को कवर करेगा। सशुल्क इंटर्नशिप प्राप्त करने के लिए विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी और विवरण वेबसाइट iaeste.org से प्राप्त किया जा सकता है।

भारत में IAESTE की शुरुआत

2001 में एक सहयोगी संस्थान के रूप में करुणा विश्वविद्यालय में IAESTE India-KU की स्थापना के साथ हुई थी। वेबसाइट iaeste.in/live/ भारत में छात्रों के लिए इंटर्नशिप के अवसरों का विवरण प्राप्त करने के लिए है।

नए कोविड वैरिएंट पर WHO की इमरजेंसी मीटिंग

UK ने 6 अफ्रीकी देशों से आने वाली फ्लाइट्स सस्पेंड कीं, हॉन्गकॉन्ग पहुंचा नया वैरिएंट

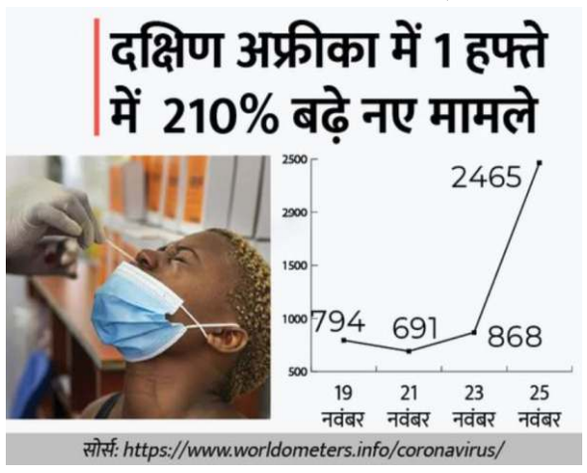

सोर्स: https://www.worldometers.info/coronavirus/

दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना में मिले कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर खतरा बढ़ता जा रहा है। इसे देखते हुए WHO ने शुक्रवार को इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। ब्रिटिश साइंटिस्ट्स ने भी बोत्सवाना में मिले नए वैरिएंट को लेकर चेतावनी दी थी। इसमें 32 म्यूटेशन हो रहे हैं, जिस वजह से वैक्सीन भी इसके खिलाफ कारगर नहीं है। यह वैरिएंट अपने स्पाइक प्रोटीन में बदलाव कर काफी तेजी से फैल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफेक्शियस डिजीज ने बताया- देश में इस वैरिएंट के अब तक 22 केस मिले हैं। वैज्ञानिकों ने इसे B.1.1.529 नाम दिया है। इसे वैरिएंट ऑफ सीरियस कंसर्न बताया है। WHO में कोरोना मामले की तकनीकी प्रमुख डॉ मारिया वान केरखोव ने कहा- हमें इस वैरिएंट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिली है। मल्टिपल म्यूटेशन की वजह से वायरस के के बिहेवियर में बदलाव हो रहा है और यह चिंता की बात है।

ब्रिटेन का सख्त रुख

ब्रिटेन ने नए वैरिएंट के खतरे को देखते हुए अफ्रीका के 6 देशों आने वाली फ्लाइट्स पर फिलहाल रोक दिया है। इनमें दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, बोत्सवाना, जिंबाब्वे, लिसोथो और एसवाटिनी शामिल हैं। ब्रिटेन के हेल्थ सेक्रेटरी साजिद जाविद ने बताया- देश की हेल्थ एजेंसी नए वैरिएंट की जांच कर रही है। हमें और डेटा की जरूरत है, लेकिन हम सावधानी बरत रहे हैं। इन 6 अफ्रीकी देशों को रेड लिस्ट में डाला जाएगा और ब्रिटेन आने वाले यात्रियों को क्वारैंटाइन में रहना होगा।

हॉन्गकॉन्ग में भी मिला नया वैरिएंट

साउथ अफ्रीका से हॉन्गकॉन्ग पहुंचे लोगों में भी इस वैरिएंट का संक्रमण पाया गया है। नया वैरिएंट सबसे पहले रीगल एयरपोर्ट होटल में ठहरे 2 लोगों में पाया गया। हॉन्गकॉन्ग के सेंटर फॉर हेल्थ प्रोटेक्शन (CHP) के मुताबिक, जांच से पता चला है कि दोनों मामले B.1.1.529 वैरिएंट के ही हैं। पहले शख्स ने एयर वाल्व वाला मास्क पहना था और इस मास्क की वजह से ही दूसरे शख्स में वायरस का संक्रमण पहुंचा।

भारत में भी अलर्ट जारी

हॉन्गकॉन्ग और बोत्सवाना से आने वाले यात्रियों की जांच के लिए सभी एयरपोर्ट्स को निर्देश दिए गए हैं। केंद्र सरकार ने राज्यों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। राज्यों से कहा गया है कि वे दक्षिण अफ्रीका, हॉन्गकॉन्ग और बोत्सवाना से आने वाले यात्रियों की अच्छी तरह से जांच करें।

देश की नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने भी इस वैरिएंट के लेकर आगाह किया है।

शिक्षकों के लिए ISO 21001 ऑडिटर प्रशिक्षण आयोजित

गुणवत्ता मानकों को स्थापित करने और बेंचमार्किंग के लिए ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग ने आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन सेल की स्थापना के रूप में अपने शिक्षकों के लिए, ISO 21001 लेखा परीक्षक प्रशिक्षण आयोजित किया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए शैक्षिक संस्थानों द्वारा अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को विकसित करना है। ISO 21001 मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा विकसित एक प्रबंधन प्रणाली मानक है और विशेष रूप से एक शैक्षिक संगठन, शिक्षार्थी और अन्य प्रासंगिक इच्छुक पार्टियों के बीच एक सफल बातचीत को ऊपर उठाने पर केंद्रित है। प्रशिक्षण TUV SUD द्वारा आयोजित किया गया था और इसमें प्रिंसिपल धीरज साल्होत्रा के साथ वाइस प्रिंसिपल पूर्वी कक्कड़ तथा ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग के स्टाफ ने भाग लिया था।

शिक्षकों की टीम ने व्यक्त किया कि इस तरह के प्रशिक्षण समय की जरूरत है और ज्ञान वितरण प्रणाली के निर्माण में मदद करेंगे जो उद्योग के लिए तैयार पेशेवरों की एक टीम बनाने के लिए तैयार है। समग्र उद्देश्यों द्वारा निर्धारित विजन और मिशन को उचित प्रथाओं के माध्यम से ही पूरा किया जा सकता है।

काम की खबर-30 नवंबर तक हर हाल में निपटा लें ये तीन जरुरी काम, फायदे में रहेंगे

नवंबर का महीना खत्म होने वाला है और इस कुछ जरूरी काम ऐसे हैं जिन्हें इस महीने के अंत तक निपटाना आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, इन कामों के लिए अंतिम तिथि 30 नवंबर तक ही है।

नवंबर का महीना खत्म होने वाला है और इस कुछ जरूरी काम ऐसे हैं जिन्हें इस महीने के अंत तक निपटाना आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, इन कामों के लिए अंतिम तिथि 30 नवंबर तक ही है। इनमें पेंशन जारी रखने के लिए जीवन प्रमाणपत्र जमा करना और यूएएन को आधार कार्ड से लिंक कराने जैसे काम शामिल है। आइए जानते हैं इन जरूरी कामों के बारे में और समझते हैं कि क्यों जल्द से जल्द ये काम निपटाने आपके लिए हैं बेहद जरूरी।

पेंशनर्स जमा कराएं जीवन प्रमाण पत्र

पेंशनर्स के लिए 30 नवंबर की तारीख काफी अहम है, क्योंकि आपको इस तारीख तक हर हाल में अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा कराना होगा। ऐसा न करने पर आपकी पेंशन रोकी जा सकती है। गौरतलब है कि हर साल पेंशनर्स को अपनी पेंशन को पाते रहने के लिए हर साल 30 नवंबर तक अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा करना होता है। यह इसलिए क्योंकि इससे पता चलता है कि पेंशनभोगी अभी जीवित है।

पीएफ न रुके तो यूएएन को करें आधार से लिंक

अगर आप ईपीएफओ खाताधारक है तो आपके लिए 30 नवंबर की तारीख बेहद खास है। दरअसल, यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) को आधार कार्ड से 30 नवंबर तक लिंक करा सकते हैं। ऐसा न करने पर आपको पीएफ खाते से संबंधित कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अगर आपने अब तक अपने यूएएन नंबर को आधार कार्ड से लिंक नहीं किया है तो जल्द से जल्द कर लें।

इस तरह की आ सकती हैं परेशानी

30 नवंबर तक ईपीएफओ और आधार नंबर को लिंक नहीं करने पर आपके खाते में कंपनी की ओर से आने वाला अंशदान रोका जा सकता है। इसके अलावा इससे आपको ईपीएफ अकाउंट से पैसा निकालने में भी आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, आधार और यूएएन लिंक न करने पर आप ईपीएफओ की सेवाओं का इस्तेमाल भी नहीं कर सकेंगे।

सस्ते होम लोन के लिए कर लें आवेदन

अगर आप होम लोन लेने की योजना बना रहे हैं तो एलआईसरी हाउसिंग फाइनेंस का खास होम लोन ऑफर इस महीने खत्म होने वाला है। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 30 नवंबर तक ही 6.66 फीसदी से ब्याज पर होम लोन देगा। इसलिए सस्ते होम लोन के लिए 30 तारीख से पहने ही आवेदन करने में फायदा है।

उगाही केस-ठाणे पुलिस के सामने पेश हुए परमबीर सिंह, डीसीपी की निगरानी में हो रही जांच

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह शुक्रवार को ठाणे में पुलिस अधिकारियों के सामने पेश हुए। उन्हें यहां दर्ज वसूली के एक मामले में समन भेजा गया था। इसी मामले की जांच के लिए सिंह शुक्रवार सुबह 10.30 बजे अपने वकीलों के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचे। सिंह ने कहा कि वे सूत्रों के मुताबिक, जांच दल उनका बयान दर्ज करेगा। इस दौरान जोनल पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अविनाश अंबुरे खुद थाने में मौजूद रहे।ठाणे पुलिस ने इस साल जुलाई में बिल्डर केतन तन्ना की शिकायत के आधार पर सिंह और 28 अन्य के खिलाफ रंगदारी (वसूली) का मामला दर्ज किया था। मामले में सिंह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। उनके अलावा इस मामले में इंस्पेक्टर प्रदीप शर्मा, इंस्पेक्टर राजकुमार कोठमिरे और डीसीपी देवराज भी आरोपी हैं। हाल में एक अदालत ने सिंह को भगोड़ा घोषित किया था और कई महीनों तक उनका कुछ अता-पता नहीं चल पाया था। वे गुरुवार को मुंबई पहुंचे। उनके आने के बाद मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने वसूली के एक अलग मामले में उनसे सात घंटे तक पूछताछ की। हाईकोर्ट ने कुछ दिन पहले ही सिंह को गिरफ्तारी से संरक्षण दिया था।परमबीर पर महाराष्ट्र में वसूली के कुल पांच मामले दर्ज हैं। देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों में शुमार मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के पास एक एसयूवी में विस्फोटक मिलने के मामले में पुलिस अधिकारी सचिन वाजे की गिरफ्तारी और बाद में कारोबारी मनसुख हिरन की संदिग्ध स्थिति में मौत के मामले के बाद उन्हें मुंबई पुलिस कमिश्नर के पद से हटाया गया था।

आरे कॉलोनी में इसलिए रहता है अंधेरा! तांबा चुराकर बेचने के चलते गायब हो जा रहे हैं स्ट्रीट लाइट के बल्ब

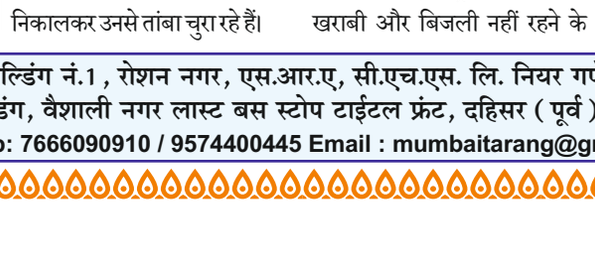

मुंबई, करीब 16 वर्ग किलोमीटर में फैले आरे कॉलोनी में इन दिनों 50 हजार से अधिक लोग 28 बस्तियों में रह रहे हैं। इन इंसानी बस्तियों में पिछले दिनों तेंदुए ने कोहराम मचा रखा था। तेंदुए के हमले से 7 लोग जख्मी हुए थे, लेकिन गनीमत रही कि किसी की जान नहीं गई। मामले के तूल पकड़ने के बाद स्थानीय आरे पुलिस और आरे प्रशासन पर चौतरफा दबाव पड़ा और आनन-फानन में प्रशासन ने आरे कॉलोनी स्थित बस्तियों तक पहुंचने वाले रास्तों पर स्ट्रीट लाइट लगवाने का आदेश जारी कर दिया। कुछ बस्तियों तक तो लाइट पहुंच गई, लेकिन आज भी अधिकांश बस्तियां अंधेरे में हैं। शिकायतें मिली हैं कि यहां लोग बिजली के बल्ब निकालकर उनसे तांबा चुरा रहे हैं। स्थानीय रहिवासी धनपत लांडे के मुताबिक, प्रशासनिक लापरवाही के कारण उनके रास्तों पर स्ट्रीट लाइट नहीं लगाई गई है। आज भी बच्चों को शाम ढलने से पहले घरों में बंद कर दिया जाता है। तेंदुए और जंगली जानवरों के डर से लोग सूरज डूबने से पहले ही बस्तियों में लौट आते हैं। हालांकि, नैशनल पार्क के मुख्य अधिकारी सुनील लिमये का कहना है कि आरे कॉलोनी समेत अन्य वन्य क्षेत्रों में प्रकाश की व्यवस्था करने के लिए प्रशासन द्वारा पहल की जा रही है। काफी रास्तों पर स्ट्रीट लाइट भी लगा दी गई हैं।कथित तौर पर इंसानों पर हमला करने वाले तेंदुए सी-32 को पकड़ भी लिया गया है। इसलिए अब लोगों को बिना किसी डर के रहना चाहिए। स्ट्रीट लाइट की खराबी और बिजली नहीं रहने के बारे में आरे प्रशासन की दलील है कि यहां स्ट्रीट लाइट के लिए लगाए गए तार और बल्बों की चोरी होती है। हमारे कर्मचारी पोल पर लाइट लगा देते हैं और चोर उन पोलों पर चढ़कर तार काटकर ले जाते हैं। चोरी की शिकायतें मिलने के बाद से पुलिस भी सतर्कता बरत रही है। आरे पुलिस चोरी करने वालों को पकड़ने के लिए खास अभियान चला रखी है। सूत्रों के अनुसार, इस अभियान के तहत आधे दर्जन से अधिक चोरों को पकड़ा गया है, जो स्ट्रीट लाइट के खंभों से तार चुराकर उसमें से तांबा निकालकर बेच दिया करते थे।

इसलिए स्थानीय पुलिस अब आरे प्रशासन के साथ मिलकर दोषियों को पकड़ने के लिए चिह्नित स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवा रही है। इसके अलावा बस्ती स्तर पर एक समूह बनाकर उनकी मदद ली जा रही है। जंगली जानवरों से बचाव एवं स्ट्रीट लाइट की देखभाल के अलावा छोटे-छोटे बच्चों की सुरक्षा एवं कुत्ते-बिल्ली जैसे जानवरों की तेंदुए या अन्य मांसाहारी जानवरों से रक्षा के लिए विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन कर रही है।

भाजपा कार्यसमिति की बैठक: हिमाचल में जयराम के नेतृत्व में ही आगे बढ़ेगी पार्टी और सरकार, जेपी नड्डा की हरी झंडी

हिमाचल प्रदेश उपचुनाव में मिली करारी हार के बाद आत्ममंथन के लिए शुरू हुई भाजपा की तीन दिवसीय मैराथन बैठकों के अंतिम दिन प्रदेश कार्यसमिति को होटल पीटरहॉफ में राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने संबोधित किया। संबोधन के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों को दरकिनार करते हुए स्पष्ट किया कि प्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में ही आगे बढ़ेगी और केंद्र की मोदी सरकार राज्य की जयराम सरकार के द्वारा किए गए विकास कार्यों के बल पर 2022 का चुनाव लड़ेगी और फिर से सत्तासीन होगी। नड्डा ने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों के डबल इंजन की बदौलत हिमाचल में विकास के नए आयाम गढ़े जा रहे हैं। केंद्र में उनके स्वास्थ्य मंत्री रहते प्रदेश को चार मेडिकल कॉलेज, एम्स, पीजीआई सैटेलाइट सेंटर दिए गए हैं। मणिपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा की विभिन्न योजनाओं के जरिए प्रदेश के लाखों लोगों को मजबूत करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र की मोदी सरकार ही है जिसने 2014 में सत्तासीन होने के बाद हिमाचल प्रदेश को उसका स्पेशल कैटिगरी स्टेटस लौटाया जिससे अब राज्य में होने वाले कार्यों में केंद्र से 90:10:00 के अनुपात में वित्तीय सहायता प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि एकजुटता के साथ ही सभी को काम करते हुए सरकार और संगठन को मजबूत बनाने और आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका अदा करनी चाहिए।

अबू अल कामा ने भी की थी 26/11 से पहले रेकी, राकेश मारिया की किताब में सनसनीखेज खुलासा

मुंबई, 26/11 के मुंबई हमले में डेविड हेडली की भूमिका सभी को पता है। उसने हमले से पहले 5 बार और हमले के बाद एक बार मुंबई की रेकी की थी। 26/11 में हेडली के साथी तहव्वुर राना का रोल भी किसी से छिपा नहीं है। वह हमले से दो सप्ताह पहले 12 नवंबर को मुंबई आया था और हमले से 5 दिन पहले 21 नवंबर को दुबई की फ्लाइट पकड़कर भाग गया था। दोनों ही इस वक्त अमेरिका की जेल में बंद हैं, लेकिन अजमल कसाब ने गिरफ्तारी के बाद तब के मुंबई क्राइम ब्रांच चीफ राकेश मारिया को पूछताछ में एक और चौंकाने वाली जानकारी दी थी। वह जानकारी अबू अल कामा से जुड़ी है, जिसने कसाब सहित मुंबई आए 10 आतंकवादियों को फिदायीन ट्रेनिंग दी थी। कसाब का दावा था कि अबू अल कामा हमले से पहले तीन बार सितंबर, अक्टूबर और नवंबर 2008 में समुद्र के रास्ते भारत आया था। 26 नवंबर 2008 को ही मुंबई में फिदायीन हमला हुआ था। मारिया ने किताब 'LET ME SAY IT NOW' में कसाब द्वारा दी गई इस जानकारी का जिक्र भी किया है, पर साथ ही यह भी लिखा है कि हम इस बात की पुष्टि करने में असमर्थ हैं कि वह उस दौरान मुंबई में प्रवेश करने में सफल रहा या नहीं। अबू अल कामा का मूल नाम है मजहर इकबाल। वह पाकिस्तान स्थित पंजाब प्रांत के मंडी तहसील इलाके का मूल निवासी है। उसे लेकर सिर्फ भारत नहीं, अमेरिका की कितनी दिलचस्पी थी, इसे इसी से समझा जा सकता है कि उसकी असल पहचान की शिनाख्त के लिए एफबीआई ने भारतीय जांच एजेंसियों के साथ मिलकर काफी मेहनत की थी। उसकी पहचान के लिए उन हैंडलर्स के वॉयस सैंपल्स लिए गए, जो 26/11 को कराची कंट्रोल रूम में बैठे थे और मुंबई आए 10 आतंकवादियों को वहां से निर्देश दे रहे थे। वॉयस सैंपल्स को फिर दुनियाभर में गिरफ्तार लश्कर-ए-तैयबा के कई आतंकवादियों को सुनाया गया। इसी में अबू की मजहर इकबाल के रूप में पहचान हुई। यह भी पता चला कि 26/11 को कराची कंट्रोल रूम में अबू के अलावा अबू काहफा, साजिद मीर और अबू जुंदाल मुंबई आए आतंकवादियों से बात कर रहे थे।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।